मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 14 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 154 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कायम है आवाज की दुनिया का जादू

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की...◂◂ 6

डिब्रूगढ़ के एनएच पर हरक्यूलस विमान से उतरे पीएम मोदी,

चीन बॉर्डर के पास गरजे फाइटर जेट, सुखोई और राफेल ने भरी उड़ान

एजेंसी

गुवाहाटी : प्रधानमंत्री आज असम दौरे पर हैं, जहां पीएम राज्य को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात देंगे। डिब्रूगढ़ के नेशनल हाईवे पर पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया। इस दौरान वह स्वयं भारतीय वायुसेना के लॉकहीड सी-130 हरक्यूलस विमान से हाईवे पर उतरे।

उद्घाटन के अवसर पर भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान, परिवहन विमान और हेलीकॉप्टरों ने इसी हवाई पट्टी से उड़ान भरकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। डिब्रूगढ़ से भारत-चीन सीमा, यानी अरुणाचल प्रदेश में मैकमोहन लाइन/एलएसी की दूरी लगभग 250 से 300 किलोमीटर है, जिससे इस सुविधा का सामरिक महत्व और बढ़ जाता है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए असम के मुख्यमंत्री हेमंता बिसवा सरमा ने बताया कि मोरान आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षण चरण से लेकर सफल संचालन तक यह परियोजना कनेक्टिविटी और रणनीतिक मजबूती की दिशा में एक अहम कदम है।

मुख्यमंत्री ने देश की रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने और बुनियादी ढांचे के विकास का श्रेय प्रधानमंत्री को देते हुए कहा कि मोरान ईएलएफ के माध्यम से भारतीय वायुसेना के विमान आवश्यकता पड़ने पर यहां से परिचालन कर सकेंगे और असम इस रणनीतिक पहल में योगदान देकर गौरवान्वित है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 127 के डिब्रूगढ़-मोरान खंड पर 4.2 किलोमीटर लंबे प्रबलित कंक्रीट हिस्से को भारतीय वायुसेना के समन्वय से दोहरे उपयोग वाली हवाई पट्टी के रूप में विकसित किया गया है। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र की पहली राजमार्ग हवाई पट्टी है, जो आपात स्थितियों और रणनीतिक आवश्यकताओं के दौरान लड़ाकू जेट, परिवहन विमान और हेलीकॉप्टरों के संचालन में सक्षम होगी। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री असम में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मोरान कार्यक्रम के बाद वे गुवाहाटी पहुंचेंगे, जहां उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का निरीक्षण करेंगे। इसके अलावा, अमीनगांव में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय डेटा केंद्र का उद्घाटन किया गया।

युवक ने की आत्महत्या की कोशिश

धनबाद: जिले के एलसी रोड स्थित होटल कुबेर में शनिवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब रामगढ़ के रहने वाले 29 वर्षीय रवि कुमार ने जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, रवि कुमार ने 12 फरवरी को होटल कुबेर में कमरा बुक कराया था। वह बीते कुछ दिनों से होटल में ही ठहरा हुआ था। शनिवार की सुबह जब होटल स्टाफ ब्रेकफास्ट का ऑर्डर लेने उसके कमरे पर पहुंचा, तो काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। बार-बार आवाज देने पर भी अंदर से कोई हलचल नहीं हुई, जिससे स्टाफ को शक हुआ। कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर होटल कर्मियों ने खिड़की से झांककर अंदर देखा। कमरे के भीतर युवक बेड पर बेसुध हालत में पड़ा हुआ था और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। यह दृश्य देखते ही होटल प्रबंधन के हाथ-पांव फूल गए। तुरंत मामले की सूचना धनबाद थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने होटल के कमरे का दरवाजा तोड़कर युवक को बाहर निकाला। प्राथमिक जांच में आशंका जताई गई कि युवक ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन किया है। इसके बाद पुलिस की मदद से रवि कुमार को तत्काल इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किन कारणों से किया गया, इसका अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है पुलिस होटल रजिस्टर, युवक के सामान और मोबाइल फोन की जांच कर रही है साथ ही उसके परिजनों को भी सूचना दे दी गई है।

पुलवामा आतंकी हमले की 7वीं बरसी प्रधानमंत्री ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली: आज पुलवामा आतंकी हमले की 7वीं बरसी है। आज के ही दिन साल 2019 में आतंकियों ने आत्मघाती हमला कर सीआरपीएफ के काफिले को निशाना बनाया था। अचानक हुए इस आत्मघाती हमले में 40 जवान शहीद हो गए थे। 14 फरवरी को शहीद हुए वीरों को याद करने और उनके बलिदान का सम्मान करने के लिए ब्लैक डे के तौर पर मनाया जाता है। हर साल देश शहीदों को श्रद्धांजलि देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका बलिदान देश को प्रेरणा देता रहेगा।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक पर लिखा, 2019 में आज के दिन पुलवामा में अपनी जान गंवाने वाले बहादुर हीरो को नमन। देश के प्रति उनकी भक्ति, संकल्प और सेवा हमेशा हमारी सामूहिक चेतना में अंकित रहेगी। हर भारतीय उनके लगातार साहस से ताकत पाता है।

गौरतवब है कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में 14 फरवरी, 2019 का हमला हाल के इतिहास में भारतीय सुरक्षाबलों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को सीआरपीएफ के काफिले से टकरा दिया था, जिसके कारण 40 जवान मारे गए और कई अन्य घायल हुए थे। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

इस घटना से पूरे देश में दुख और गुस्सा फैल गया था, जिससे भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। प्रधानमंत्री का संदेश पूरे भारत में फैली इस भावना को दशार्ता है कि पुलवामा के पीड़ितों की हिम्मत और बलिदान हमेशा फर्ज. और देशभक्ति की निशानी रहेगा।

नगर निकाय चुनाव 2026 : 23 फरवरी को राज्य में छुट्टी, कार्मिक विभाग ने जारी की अधिसूचना

संवाददाता

रांचीः राज्य में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मतदान के दिन संबंधित नगरपालिका क्षेत्रों में छुट्टी रहेगी और कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा। इस बीच भाजपा ने चुनाव में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की मांग की है। झारखंड में नगर निकाय चुनाव 23 फरवरी को होना है। इसको लेकर कार्मिक विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, जिस नगरपालिका क्षेत्र में मतदान होगा, वहां उस दिन सार्वजनिक

अवकाश रहेगा। सभी दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। वहां काम करने वाले कर्मचारियों को उस दिन का वेतन भी दिया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कोई व्यक्ति नगर निकाय क्षेत्र का मतदाता है, लेकिन वह उस क्षेत्र से बाहर किसी औद्योगिक इकाई, प्रतिष्ठान या दुकान में काम करता है, तो उसे भी मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा। नियोक्ता को इसके लिए अवकाश मंजूर करना होगा।

बीजेपी ने नगर निकाय चुनाव में की केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की मांगः इसी तरह, जो लोग कैजुअल वर्कर या डेली वेज पर काम करते हैं और यदि वे संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता हैं, तो उन्हें भी मतदान के दिन वेतन सहित छुट्टी दी जाएगी। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नगर निकाय चुनाव में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की मांग की है।

कोलकाता एयरपोर्ट पर सुरक्षा अलर्ट

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, टॉयलेट में मिला लेटर

एजेंसी

कोलकाताः नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार सुबह शिलॉन्ग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ए 7304 में बम होने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। विमान में यात्रियों के सवार होने से पहले ही लावेटरी के अंदर एक हस्तलिखित नोट मिला, जिसमें विमान में बम होने का दावा किया गया था। विमान को आइसोलेशन बे में भेजा गयाः एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अनुसार, नोट को सुबह एक क्रू

मेंबर ने देखा, जिसके बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया गया। एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सभी सुरक्षा कदम उठाए गए। विमान की तलाशी जारीः अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते और सुरक्षा एजेंसियां विमान की गहन तलाशी ले रही हैं। अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। फिलहाल सुरक्षा जांच जारी है और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं।

बम वाली धमकियों के मामले लगातार आ रहे सामनेः देश में घरेलू उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियों के मामले लगातार सामने आते रहे हैं। 18 जनवरी को दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो की फ्लाइट में टिशू पेपर पर बम की धमकी लिखी मिली थी, जिसके बाद विमान को एहतियातन लखनऊ डायवर्ट किया गया था। इसके बाद दिल्ली से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए 2608 में भी विमान के टॉयलेट में हाथ से लिखा एक नोट मिला था, जिसमें बम होने की बात कही गई थी। नोट मिलने से फ्लाइट में हड़कंप मच गया था, जिसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से पुणे एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया था कि गहन जांच और तलाशी अभियान के बाद विमान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी और धमकी फर्जी साबित हुई थी।

जयपुर-टोंक रोड पर भीषण सड़क हादसा

ट्रक में घुसी कार, महिला समेत पांच लोगों की मौत

एजेंसी

जयपुर/चाकसू : राजस्थान के जयपुर जिले के चाकसू क्षेत्र में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में महिला सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा जयपुर-टोंक रोड पर जगन्नाथ यूनिवर्सिटी के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में जा घुसी। पुलिस के अनुसार, कार जयपुर से टोंक की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही चाकसू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब

तक पांचों की मौत हो चुकी थी। थाना अधिकारी मनोहर लाल मेघवाल ने बताया कि मृतकों में एक महिला भी शामिल है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मृतकों की शिनाख्त और परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए जयपुर-टोंक रोड पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु करवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है और तकनीकी जांच के बाद ही दुर्घटना के स्पष्ट कारण सामने आ पाएंगे।

हाईवे पर कार की ट्रक से भीषण टक्कर, चार जवानों की हुई मौत, एक गंभीर

धमतरीः जिले के नेशनल हाईवे-30 पर खपरी के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया गया कि मृतक और घायल जवान 201 कोबरा बटालियन के हैं। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सभी जवान कार में सवार होकर जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। तभी आज सुबह खपरी के पास जवानों की कार पहुंची और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूरी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क हादसा होते देख आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। इस हादसे में जवान मुकेश कुमार, सौरभ तोमर, राजकुमार गोंड और हीरा लाल नागर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अभियान राय नामक एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे शवों को बाहर निकाला। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अमेरिका के साथ समझौता कपास किसान कपड़ा निर्यातक दोनों पर गहरी चोटः राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर मोदी सरकार कपास उत्पादक किसान और कपड़ा निर्यातक दोनों को गहरा झटका दिया है। राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 18 प्रतिशत टैरिफ बनाम जीरो प्रतिशत-आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रहे हैं और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है । शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बंगलादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - अगर

यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई। और, ये कैसी नीति है। क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है झ या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा और अब बंगलादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। भारत में कपड़ा उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट की खाई में धकेल देना।

उन्होंने कहा, एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और कपड़ा एक्सपोर्टर्स -दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती, लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र सरेंडर मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।

न्यूज IN ब्रीफ

धुमकुडिया भवन का हुआ उद्घाटन

मुरी: विधायक अमित महतो ने राहे प्रखंड के बसंत पुर गांव में 55 लाख की लागत से स्वागत उपकेन्द्र निर्माण की सौगात दी । जिसका शिलान्यास उदघाटन लखीमनी देवी ने किया वही। डोकाद में दो धुमकुडिया भवन निर्माण का शिलान्यास किया गया। जिसका उद्घाटन लखीमनी की भतीजी मनसरी देवी और दूसरा देवी ने किया। पारमडीह में बारह लाख की लागत से शौचालय और डीप बोरिंग का शिलान्यास सोरी देवी के हाथों से किया गया। विधायक अमित महतो ने कहा कि सरकार द्वारा दी गई योजनाओं की लाभ उठावे और आगे भी हर समस्या के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। धन्यवाद। इस मौके पर ग्राम प्रधान धनजय सिंह मुंडा,सरपंच सुभाष महतो, महेन्द्र महतो, लाभुक सदस्य गणेश कुमार पशुपति अहीर, उज्जवल कुमार, बिक्रम महतो, रोहित महतो सहित दर्जनों सम्मानित ग्रामीण उपस्थित थे।

आंखों से दिव्यांग छात्रा माथनी कुमारी अपने हौसले से दे रही है मैट्रिक परीक्षा

सोनाहातू : शारीरिक सीमाएं अगर सपनों पर भारी पड़तीं, तो शायद यह छात्रा आज परीक्षा कक्ष तक नहीं पहुंच पाती। आंखों से दिव्यांग होने के बावजूद मैट्रिक परीक्षा में शामिल होकर उसने यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति के आगे कोई बाधा टिक नहीं सकती। प्रखंड के बोंगादार गांव की माथनी कुमारी आंख से पूरी तरह दिव्यांग है। कक्षा 6 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सोनाहातू में नामांकन हुआ था। चार साल के पढ़ाई के बाद मैट्रिक परीक्षा लिख रही है। एस एस हाई स्कूल सोनाहातू के केंद्र के विशेष कक्ष में परीक्षा लिख रही है। विशेष व्यवस्था के तहत छात्रा ने लेखक (राइटर) की मदद से परीक्षा दे रही है, लेकिन हर उत्तर उसके आत्मविश्वास और मेहनत की गवाही दे रहा था।

बताया जाता है कि पढ़ाई के दौरान छात्रा को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। किताबें पढ़ने से लेकर नोट्स समझने तक, हर कदम संघर्ष से भरा रहा। फिर भी उसने हार नहीं मानी। पिता सुखलाल पुराण के मौत के बाद माता रंभा देवी के समक्ष तीन बेटी एक बेटा का भरण पोषण का जिम्मा था।बड़ी बेटी होने के कारण इसे परिवार के सहयोग की कोई उम्मीद नहीं है। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपने अटूट संकल्प के बल पर उसने परीक्षा की तैयारी पूरी की। परीक्षा केंद्र पर जब वह आत्मविश्वास के साथ बैठी, तो वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

छात्रा का कहना है कि उसकी कमजोरी ही उसकी ताकत बन गई। वह आगे पढ़-लिखकर समाज में अपनी पहचान बनाना चाहती है, ताकि अन्य दिव्यांग बच्चों को भी प्रेरणा मिल सके। यह छात्रा आज सिर्फ परीक्षा नहीं लिख रही, बल्कि उन तमाम धारणाओं को तोड़ रही है, जो दिव्यांगता को कमजोरी मानती हैं। उसका संघर्ष और साहस समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

केंद्र अधीक्षक दीपक कुमार ने कहा कि आंख के दिव्यांग छात्रा को परीक्षा लिखने में कोई परेशानी नहीं है ।जैक के निदेर्शानुसार नीचे की क्लास की छात्रा को लेखक (राइटर)के रूप में सहयोग करने लिए अनुमति दी गई है।

दोस्त को परीक्षा दिलाने गया नाबालिग हुआ सड़क दुर्घटना का शिकार

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे तेज रफ्तार एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। एक नाबालिग बाइक पर सवार होकर हंटरगंज से चतरा की ओर जा रहा था, तभी पानी टंकी के समीप अचानक एक कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि नाबालिक का एक पैर टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय राहगीरों ने इसकी सूचना हंटरगंज थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर दिलीप कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए घायल नाबालिक को प्राथमिक उपचार के लिए हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद एक पैर टूट जाने के वजह से गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की पहचान थाना क्षेत्र के कोसमाही गांव निवासी भगलू यादव के 15 वर्षीय पुत्र रामपति कुमार के रूप में हुई है । फिलहाल पुलिस दोनों वाहनों को थाने ले आई है।

हंटरगंज में बेखौफ सड़कों पर बाइक दौड़ा रहे नाबालिग

हंटरगंज : हंटरगंज में नाबालिग छात्र नियमों को ताक पर रखकर सड़क पर फराटें भर रहे हैं। हंटरगंज थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं से न तो बड़े सबक ले रहे हैं और न ही शिक्षित।अभिभावक स्वयं अपने बच्चों को बाइक सौंप रहे हैं। नाबालिगों का वाहन चलाना कानूनन अपराध की श्रेणी में आता है पर उसकी परवाह न तो अभिभावकों को है और न ही जिला प्रशासन को। यही वजह है कि हंटरगंज सहित जिले के और भी ग्रामीण क्षेत्रों के नाबालिग वाहन चालकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। जिम्मेदारों ने साधी चुप्पीः नाबालिगों के वाहन चलाने के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

हजारीबाग में जंगली हाथियों ने फिर मचाया उत्पात

एक के बाद एक लोगों को उतार रहा मौत के घाट

24 घंटे के अंदर 7वीं मौत, क्षेत्र में धारा 163 लागू

जंगली हाथियों के झुंड ने फैला दी दहशत

संवाददाता

हजारीबागः दरअसल, देर शाम लगभग 9 बजे के आसपास पांच हाथियों का झुंड चुरचू प्रखंड के बेहरा पंचायत के कजरी के भुरकुंडा टोला में घुस गया और एक कच्चे घर को अपना निशाना बना लिया। जहां सो रही महिला को उसने कुचल दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान फुल मनी देवी के रूप में हुई है। वहीं, उसके पति राजेश मुर्मू हाथी को देख पीछे के रास्ते से बाहर निकाला। लेकिन उसे भी हाथी ने अपने चपेटे में ले लिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भारी डर का माहौलः वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि झुंड में शामिल एक हाथी बेकाबू हो गया है। उसी के कारण लगातार हमले की घटनाएं हो रही हैं। पिछले करीब 20 घंटों में इस हाथी के हमले में जिले में सात लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भारी डर का माहौल है। कजरी गांव समेत आसपास के इलाकों में लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। वन विभाग की टीम मौके पर निगरानी कर रही है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मानव और वन्यजीव के बीच बढ़ते संघर्ष ने पूरे इलाके में चिंता बढ़ा दी है।

सदर एसडीओ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि चुरचू प्रखण्ड अंतर्गत गोंदवार क्षेत्र में हाथी हमले की यह अत्यंत दुखद घटना घटित है, जिसमें अब तक सात लोगों की जान चली गई। घटना के बाद गोंदवार एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्र होने की सूचना प्राप्त हुई है। इसे देखते हुए धारा 163 लगाया गया है। यह निषेधाज्ञा प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल पर लागू नहीं होगा। साथ ही शव यात्रा, शादी-विवाह एवं अन्य आवश्यक सामाजिक कार्यों को इस आदेश से मुक्त रखा गया है। निषेधाज्ञा 13 फरवरी 2026 से अगले आदेश तक लागू रहेगा।

हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने हाथी हमले की घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन की उच्च स्तरीय बैठक की। पदाधिकारी ने बताया कि स्थिति की सतत निगरानी की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा हाथियों के आक्रमण पर प्रभावी रोक लगाने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। वन विभाग, पुलिस प्रशासन एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहने को कहा गया है।

वर्तमान में हाथियों का आवागमन बहेरा पंचायत के कजरी क्षेत्र में है। चनारो, तापीन, पिपरा एवं पिंडरा क्षेत्रों को भी अलर्ट में रखने का निर्देश दिया जा रहा है। इन क्षेत्रों के संबंधित मुखिया, जनप्रतिनिधि, ग्रामीणों एवं प्रखंड अधिकारियों को तत्काल सूचित कर आवश्यक सावधानियां बरतने हेतु निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों के समीप न जाएं, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचित करें।

19 से 21 फरवरी तक चलेगा तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव

सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खेर, अल्ताफ राजा व कल्पना पटवारी समेत कई ख्यात कलाकार देंगे प्रस्तुति

500 ड्रोन शो, वाटर स्पोर्ट्स, पैरा-ग्लाइडिंग व भव्य गंगा आरती आकर्षण का केंद्र

संवददाता

चतरा : जिले के इटखोरी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भीं 19, 20 एवं 21 फरवरी 2026 को तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खेर, मशहूर गायक अल्ताफ राजा तथा भोजपुरी गायिका कल्पना पटवारी सहित कई नामचीन कलाकार अपनी प्रस्तुति से समा बांधेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों से आमंत्रित कलाकारों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। महोत्सव में फैशन शो एवं थिएटर की विशेष व्यवस्था की गई है, जहां फिल्म का प्रकाशन भी किया जाएगा। महोत्सव में 500 ड्रोन के माध्यम से भव्य ड्रोन शो का आयोजन आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा।19 एवं 20 फरवरी को बक्सा डैम में प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक इटखोरी एडवेंचर स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 के तहत 8 प्रकार की वाटर एक्टिविटी आयोजित की जाएंगी, जिनमें बनाना राइड, डिस्को एवं रिंगो राइड, कायाकिंग, वेक-बोर्डिंग, जेट स्की आदि शामिल हैं। वहीं लक्षनपुर स्थित भेड़ी फॉर्म डैम के समीप पैरा-सेलिंग, ऑल-रोड बाइकिंग तथा मंदिर रोड इटखोरी में वॉल क्लाइम्बिंग, रैपलिंग एवं रोप कोर्स जैसी एडवेंचर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। 21 फरवरी को माँ भद्रकाली मंदिर परिसर स्थित मुहाने नदी तट पर भव्य गंगा आरती आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त ने किया स्थलों का निरीक्षणः महोत्सव की भव्य एवं सफल तैयारी को लेकर उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने जिले के वरीय अधिकारियों–उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बन रहे मंच, हेलिपैड स्थल, मंदिर परिसर में रंग-रोगन, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। तत्पश्चात मुहाने नदी तट एवं बक्सा डैम का निरीक्षण कर वाटर एक्टिविटी, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, टोकन काउंटर स्थापना, बैरिकेडिंग, पार्किंग एवं पहुंच पथ की मरम्मत को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भागीदारी हेतु दिशा-निर्देशः एडवेंचर गतिविधियां 19 एवं 20 फरवरी को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक आम जनता के लिए निःशुल्क आयोजित की जाएंगी। 15 से 60 वर्ष आयु वर्ग के शारीरिक रूप से सक्षम युवक एवं युवतियां इसमें भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों के लिए पूर्व अनुभव अनिवार्य नहीं है तथा तैराकी न जानने वाले प्रतिभागी भी प्रशिक्षकों की देखरेख में सुरक्षा मानकों के साथ भाग ले सकेंगे। सभी प्रतिभागियों के लिए लाइफ जैकेट का उपयोग अनिवार्य रहेगा। आयोजन ह्लपहले आएं, पहले पाएंह्व के आधार पर किया जाएगा। 18 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागियों के साथ अभिभावक की उपस्थिति आवश्यक होगी।

जल क्रीड़ा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अतिरिक्त टी-शर्ट, हॉफ पैंट, तौलिया अथवा गमछा तथा हवाई चप्पल स्वयं लाना होगा। अन्य एडवेंचर गतिविधियों के लिए स्पोर्ट्स शूज, फुल शर्ट एवं फुल पैंट/जीन्स अथवा सलवार-सूट पहनकर आना अनिवार्य होगा। प्रतिभागियों को स्कूल, कॉलेज, पंचायत, खेल संघ, नेहरू युवा केंद्र, एनएसएस, एनसीसी अथवा संबंधित संस्था द्वारा मोहर एवं हस्ताक्षर युक्त अनुशंसा पत्र प्रतिभागियों की सूची सहित लाना होगा। अधिक जानकारी हेतु जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय, चतरा अथवा ई-मेल पर संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम का निष्पादन एडवेंचर ट्रैवलर्स एकेडमी द्वारा किया जाएगा।

पूनम हत्याकांड का पदार्फाश

घटना के 48 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी सहित 2 गिरफ्तार

पुरानी रंजिश में पूर्व पति ने पत्नी को गोली मारकर उतारा था मौत के घाट

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के तिलहेत पंचायत अंतर्गत गायघाट में सोमवार देर शाम घटित पुनम हत्याकांड का राज आखिरकार खुल गया है। इस जघन्य वारदात से जहां पूरा गांव दहशत में था, वहीं पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर मामले का पदार्फाश कर दिया है। हंटरगंज थाना पुलिस ने मृतका के पूर्व पति किशोरी भुईयां और उसके सहयोगी डब्लू भुईयां उर्फ डब्ल्यू कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि हत्या की जड़ पुरानी रंजिश थी। पूनम के परिजनों ने हत्या के खुलासे पर संतुष्टि जताई है।बता दे कि 9 फरवरी 2026 की शाम को थाना क्षेत्र के गायघाट गांव में एक महिला अपनी 5 वर्षीय बेटी के साथ घर के 100 मीटर दूरी पर स्थित कुएं से पानी भरने गई थी। उसी समय घात लगाए तीन आरोपियों ने गोली मारकर महिला की हत्या कर दी थी । बेटी ने बिलखते हुए घर जाकर परिजनों को जानकारी दी थी। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी जानकारी हंटरगंज थाना पुलिस को दी थी। तत्कालीन हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार घटनास्थल पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया था और मौके का मुआयना किया था। इस कांड के बाद मृतका पूनम का वर्तमान पति योगेन्द्र भुईयां ने आवेदन देकर पूनम के पूर्व पति और उसके दो दोस्तों के खिलाफ आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई थी, जिसके बाद मृतका के पति के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने हंटरगंज थाना कांड संख्या -19/26 दिनांक 10.2.26 धारा 103/3(5) बी०एन०एस एवं 27 आर्म्स एक्ट अंकित कर एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 11.2.26 को प्राथमिकी अभियुक्त डब्लू भुईयां उर्फ. डब्ल्यू कुमार को एवं गोली मारकर हत्या करने वाले मुख्य आरोपी किशोरी भुईयां उम्र करीब 23 वर्ष पिता स्वर्गीय मंगर भुईयां ग्राम कुरखेता थाना वशिष्ठ नगर जिला चतरा को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया।पुलिस ने बताया कि दोनों ने पूनम की गोली मारकर हत्या का जुर्म कबूल किया है । पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। पूनम के पति योगेंद्र व परिजनों ने हत्याकांड के खुलासे पर पुलिस का आभार जताया है।छापामारी दल में थाना प्रभारी प्रभात कुमार,पुअनि नितेश कुमार प्रसाद,पुअनि दिलीप कुमार आदि जिला बल के जवान शामिल थे।

खूंटी नगर पंचायत चुनाव 2026

अध्यक्ष पद की उम्मीदवार रानी टूटी के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित कई दिग्गज नेता रहे मौजूद

संवाददाता

खूंटीः नगर पंचायत चुनाव को लेकर जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है। जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनावी माहौल और भी गमार्ता नजर आ रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को खूंटी के नेताजी चौक स्थित भारतीय जनता पार्टी के चुनावी कार्यालय में बीजेपी समर्थित अध्यक्ष पद की उम्मीदवार रानी टूटी के चुनावी कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित रहे। उनके साथ खूंटी के पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा और तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा भी विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बीजेपी के जिला व मंडल स्तर के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में चुनावी माहौल और अधिक जोशीला हो गया।

चुनावी कार्यालय के उद्घाटन से पूर्व वैदिक विधि-विधान से गणेश पंडित द्वारा पूजा-अर्चना कराई गई। इसके बाद अतिथियों ने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में खूंटी जिला अध्यक्ष आनंद कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष सतनारायण गुप्ता, कांसी नाथ महतो सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए अतिथियों ने रानी टूटी के पक्ष में मतदान की अपील की और कहा कि वे पहले भी नगर पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं, इसलिए उन्हें प्रशासनिक अनुभव का लाभ है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि रानी टूटी एक शिक्षिका रह चुकी हैं, इसी कारण उन्हें चुनाव चिन्ह छड़ी मिला है, जो विकास और अनुशासन का प्रतीक है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता से ही खूंटी का सर्वांगीण विकास संभव है।

कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम भी देखने को मिला, जब सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ताओं ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की और इस नगर पंचायत चुनाव में रानी टूटी को विजयी बनाने का संकल्प लिया। पार्टी में शामिल हुए नए सदस्यों का अर्जुन मुंडा, नीलकंठ सिंह मुंडा, कोचे मुंडा सहित बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले तीन चुनावों में बीजेपी की जीत का सिलसिला जारी रहा है और खूंटी की जनता एक बार फिर विकास के नाम पर बीजेपी समर्थित उम्मीदवार रानी टूटी को भारी मतों से विजयी बनाएगी। कार्यालय उद्घाटन के साथ ही चुनाव प्रचार ने और गति पकड़ ली है, जिससे आने वाले दिनों में चुनावी मुकाबला और भी रोचक होने की संभावना जताई जा रही है

रांची-लोहरदगा-डालटनगंज के बीच चलेगी शटल ट्रेन, भेजा गया प्रस्ताव

संवाददाता

रांची: दक्षिण-पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल ने रांची-लोहरदगा-डालटनगंज के बीच पहली बार शटल ट्रेन चलाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इससे यात्रा का समय और खर्च घट जायेगा, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रांची रेल मंडल ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा है। वहां से अनुमति मिलते ही यात्रियों को सस्ती और सुविधाजनक रेल सेवा मिल सकेगी।

समय और खर्च दोनों की बचत होगीः नये प्रस्ताव के अनुसार, ट्रेन रात 11 से 12 बजे के बीच डालटनगंज (मेदिनीनगर) से रवाना होगी। फिर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए सुबह लगभग छह बजे रांची पहुंचेगी। रेल मंडल की योजना इस रूट पर दो ट्रिप ट्रेन चलाने की है, जिससे दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस ट्रेन के शुरू होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। लातेहार, बरवाडीह और लोहरदगा जैसे इलाकों के लोगों को रांची आने-जाने में समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

रांची- हजारीबाग शटल ट्रेन का प्रस्ताव तैयारः इधर, रांची रेल मंडल ने हजारीबाग के लिए भी रांची- हजारीबाग वाया मेसरा शटल ट्रेन चलाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसे भी जल्द स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजने की तैयारी है। रेलवे का मानना है कि नयी शटल सेवाएं शुरू होने से क्षेत्रीय रेल नेटवर्क मजबूत होगा और स्थानीय यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

छोटे स्टेशनों से होकर गुजरेगी ट्रेन

रेलवे अधिकारियों के अनुसार शटल ट्रेन टोरी, चेतर, रिचुघुटू, डेमू, लातेहार, बेंदी, कुमेंदी, हेहेगड़ा हॉल्ट, छिपादोह, बरवाडीह, मंगरा, केचकी, चियांकी, बोदाग्राम, बड़किचांपी, हेंदलासो भोकता बगीचा, लोहरदगा, इरगांव, अकासी, नागजुआ, नरकोपी, तंगरबसुली, इटकी, पिस्का और अरगोड़ा जैसे स्टेशनों से होकर चलेगी। इस रूट के कई छोटे स्टेशनों को पहली बार नियमित और सुलभ रेल सेवा का लाभ मिलेगा।

मोती पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

मोती पालन कर बढ़ाएं आर्थिक समृद्धि : अमरेंद्र कुमार

✔ प्रशिक्षणार्थियों को दिया गया प्रमाणपत्र

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दीख पी। के निदेर्शानुसार व उनके मार्गदर्शन में झारखंड में मोती पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र (शालीमार), धुर्वा में मोती पालन व कौशल विकास पर चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसके तहत पांच दिवसीय (9 से 13 फरवरी, 2026) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को हुआ। इसमें सरायकेला-खरसावां, खूंटी, धनबाद, चतरा, हजारीबाग तथा रांची जिले के मत्स्य कृषक शामिल हुए। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण संजय गुप्ता, उप मत्स्य निदेशक (योजना), डॉ।रितेश शुक्ला, प्राध्यापक, संत जेवियर कालेज, बुधन सिंह पूर्ति प्रगतिशील मोती पालक द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मत्स्य निदेशक (योजना) संजय गुप्ता ने कहा कि प्रशिक्षण के बाद सभी लोग मछलीपालन के साथ-साथ मोती पालन का कार्य प्रारंभ करें। सरकारी योजनाओं का लाभ उठायें। किसानों को डिजाइनर मोती, गोल मोती, राइस पर्ल के निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। सीपियों की सर्जरी, दवाई, सीपियों के पालन हेतु पानी तैयार करना तथा सर्जिकल उपकरणों की जानकारी, साथ ही विपणन के बारे में बताया गया। निदेशक मत्स्य अमरेन्द्र कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को संदेश दिया कि मछलियों का फसल बीमा योजना लागू है, किसान इसका लाभ उठायें। मछुआरों के लिए प्रधानमंत्री सामुहिक दुर्घटना बीमा योजना भी चलाई जा रही है, जिसमें प्रीमियम की राशि सरकार वहन करती है। उन्होंने इसका भी लाभ उठाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को आह्वान किया। प्रशिक्षण में डॉ।रितेश कुमार शुक्ला और बुधन सिंह पुर्ती ने रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रशिक्षणार्थियों को पर्ल कल्चर प्रशिक्षण विधियों के सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि छोटे -छोटे तालाब, डोभा, सिमेंटेड टैंक आदि में भी मोती पालन का काम आसानी से किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन मंजूश्री तिर्की ने किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के 55 किसान उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

साजदा बनाम फरहा : हर पल हर घड़ी सख्त, फैसला 27 को, निलुफर ने बिगाड़ा समीकरण

गुलाम शाहिद

रांची : रांची नगर निगम चुनाव में वार्ड पार्षद पद को लेकर मुकाबला अब बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। साजदा खातुन और फरहा नाज के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। आज देर रात तक दोनों प्रत्याशियों की काफला हिन्दपिडि, लाह कोठी, नाला रोड सहित शहर की सड़कों पर दौड़ती रहीं। चुनावी सरगर्मी खासतौर पर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में अधिक दिखी, जहां साजदा खातुन ने लगातार बैठकों और जनसंपर्क अभियान के जरिए अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में लगी रही।

मगर अचानक से एक बदलाव ने साजदा खातुन और फरहा नाज के खेल को बिगाड़ दिया है। और तिसरा विकल्प के रुप निलुफर अपनी पकड छेत्र में बना रही।

इसी बीच बहुसंख्यक क्षेत्रों में फरहा नाज के समर्थन में कार्यकताओं का उत्साह और जोश देखने लायक रहा। इसी दरमियान प्रत्याशी निलोफर की गाड़ियां भी कुछ

इलाकों में नजर आईं।निलुफर के पति इमरान उर्फ बाबु की जबरदस्त मेहनत से माहौल में गजब का बदलाव देखने को मिल रहा है कई संगठनों ने उन्हें समर्थन दिया है जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होने के संकेत मिल रहे हैं।फिलहाल जनसमर्थन के समीकरणों में फरहा नाज कुछ बढ़त बनाती दिखाई दे रही हैं, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अभी परिणाम को लेकर कोई अंतिम आकलन करना जल्दबाजी होगी।23 फरवरी का दिन दोनों प्रमुख प्रत्याशियों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जबकि मतगणना के बाद 27 फरवरी को ही सच्चाई से पर्दा उठेगा और तय होगा कि रांची की मेयर की कुर्सी पर कौन काबिज होगा।

वार्ड 22 में मुकाबला दिलचस्प, असलम और अनवर दोनों ने ठोकी ताल

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: रांची नगर निगम चुनाव को लेकर वार्ड 22 में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। प्रत्याशी घर-घर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रहे हैं। मैट्रो रेज के स्थानीय पत्रकार गुलाम शाहिद ने क्षेत्र का दौरा कर दोनों प्रमुख प्रत्याशियों से बातचीत की। वार्ड 22 के प्रत्याशी असलम ने कहा कि वे लंबे समय से क्षेत्र की जनता से जुड़े रहे हैं और विकास कार्यों को प्राथमिकता देते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता जागरूक है और अपने विवेक से निर्णय लेगी। पूर्व में पार्षद रह चुके असलम ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्य ही उनकी सबसे बड़ी ताकत हैं। विरोधी प्रत्याशी को विभिन्न संगठनों के समर्थन मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है और अंतिम फैसला मतदाताओं के हाथ में है। वहीं, वार्ड 22 से चुनाव मैदान में उतरे अनवर ने

दावा किया कि क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं और जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अनवर ने कहा कि उनका उद्देश्य वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

दोनों प्रत्याशियों ने अपनी-अपनी जीत का भरोसा जताया है। अब 23 तारीख को होने वाले मतदान में मतदाता किसे समर्थन देते हैं, यह परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा।फिलहाल असलम की लोकप्रियता में लगातार एजाफा हो रहा है।

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, खूँटी

सुचना

प्रायः यह देखा जा रहा है कि खूँटी जिला अंतर्गत कई पेट्रोल पंप स्वामी एवं संचालक बिना ट्रेड लाइसेंस नवीकरण कराए अपने पेट्रोल पंप का संचालन कर रहे हैं जो कि Jharkhand Motor Spirit and High Speed Diesel Oil Dealer Licensing order 2001 के नियम 5 का उल्लंघन है।

अतः उक्त के आलोक में खूँटी जिला अंतर्गत बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के संचालित हो रहे सभी पेट्रोल पंप संचालक /स्वामी को निदेश दिया जाता है कि अपने पेट्रोल पंप से सम्बंधित ट्रेड लाइसेंस के नवीकरण हेतु आवेदन, जिला परिवहन कार्यालय में दिनांक 18.02.2026 तक समर्पित करना सुनिश्चित करें। प्रदत्त निदेश के अवहेलना की स्थिति में विधिसम्मत कारवाई कि जाएगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी
खूँटी

PR 372960 Transport (25-26)_D

पूर्ववर्ती छात्र नेता दीपक लाल वार्ड 29 में कर रहे जनसंपर्क

रांची: नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 29 के चुनाव अभियान प्रभारी रांची विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र नेता व लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता दीपक लाल पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के निदेर्शानुसार घूम-घूम कर मेयर प्रत्याशी रमा खलखो के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस क्रम में शनिवार को दीपक लाल ने विभिन्न वार्डों में घूम-घूम कर मतदाताओं से मेयर प्रत्याशी रमा खलखो के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

दो 'रेट बकलर' ट्रॉफियां जीतकर डॉ. बिभूति कश्यप ने बनाया रेटिना सर्जरी का 'विश्व रिकॉर्ड,

रेटिना सर्जरी के लिए मिला दो 'ऑस्कर

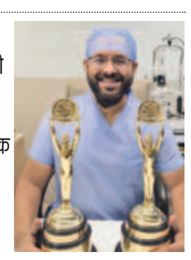

रांची/मेट्रो रेज: झारखंड ऑप्थल्मोलॉजी सोसाइटी (जॉस) के 23वें वार्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन 14 फरवरी को रांची के स्वर्णभूमि (पुरुलिया रोड, नियर डंगरा टोली) में भव्य और आधिकारिक उद्घाटन समारोह में, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ रेटिना स्पेशलिस्ट के सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर एक विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. पार्था विश्वास और उपाध्यक्ष डॉ. मोहन राजन, डॉ. बिभूति कश्यप को विशेष रूप से सम्मानित करेंगे।

रांची में 'जॉसकान 2026' का भव्य आगाज

✔ अत्याधुनिक 'प्रायोगशाला' में डॉक्टरों ने सीखा आंखों की विभिन्न प्रकार की जटिल सर्जरी का हुनर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड ऑप्थल्मोलॉजी सोसाइटी (जॉस) के 23वें वार्षिक सम्मेलन 'जॉसकान 2026' का आज रांची के स्वर्णभूमि (पुरुलिया रोड) में शानदार आगाज हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

विशेषज्ञों का महासंगम और उन्नत शल्य चिकित्सा की प्रीफर्ड प्रैक्टिस पैटर्न पर गहन मंथनः इस सम्मेलन में देश भर से 60-70 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वक्ताओं ने शिरकत किया। ऑकुलोप्लास्टी (आँखों की पलक), स्क्विंट (आँखों का भेंगापन), कॉर्निया, मोतियाबिंद और रेटिना जैसे जटिल विषयों पर अपने नवीनतम सर्जिकल तकनीक और प्रीफर्ड प्रैक्टिस पैटर्न पर सर्जिकल वीडियो के माध्यम से विस्तृत चर्चा की। साथ ही, झारखंड के सरकारी व निजी क्षेत्रों से लगभग 200 नेत्र विशेषज्ञो ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया।

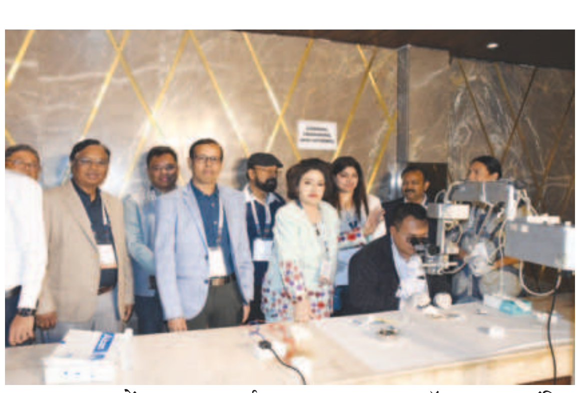

छात्रों का उत्साहवर्धनः राज्य के पीजी छात्रों को कई प्रकार के कॉम्पिटिटिव सत्र पर अपने शोध प्रस्तुत करने का अवसर मिला और विजयी छात्रों को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

उद्देश्यः इस विमर्श का सीधा लाभ झारखंड की जनता को मिलेगा, जिससे राज्य में नेत्र चिकित्सा की गुणवत्ता और सुदृढ़ होगी।

आज की मुख्य गतिविधियाँ और विशेष आकर्षण

जॉस एआईओएस प्रयोगशालाः झारखंड ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की चेयरपर्सन साइंटिफिक कमिटी डॉ भारती कश्यप ने बताया कि पहले दिन हम लोगों ने पहली बार ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की प्रयोगशाला कनेक्ट का आयोजन किया है चार माइक्रोस्कोप हम लोगों ने लगाए हैं और चार माइक्रोस्कोप के द्वारा अलग-अलग तरह की नेत्र सर्जरी का प्रशिक्षण यहाँ दिया जा रहा है, जिसे 50 के करीब पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के साथ-साथ सीनियर नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भी फेको कैटरेक्ट सर्जरी के अलावा कई नई सर्जिकल तकनीकों को सीखा है, जैसे आईपीसीएल, आयरिस क्लॉ लेंस। वैज्ञानिक शोध और प्रतिभा प्रदर्शनः 'डॉ भारती कश्यप फिजिकल पोस्टर' सत्र में विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ मंजुल पंत गोल्ड मेडल' कॉम्पिटिटिव वीडियो सेशन का आयोजन हुआ। झारखण्ड के नेत्र चिकित्सकों डॉ अमर, डॉ नेहा, डॉ गगनदीप, डॉ पूजा, डॉ सुनील कुमार, डॉ नेहा गाँधी, डॉ पल्लवी, डॉ पूनम, डॉ इरशाद ने भाग लिया। विभिन्न कॉम्पिटिटिव सत्र के विजेताओं को समारोह उद्घाटन समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

रिकॉर्डेड वीडियो सिम्पोजियम

देश के नामचीन सर्जनों ने वीडियो के माध्यम से आँखों के अलग-अलग भागों की जटिलतम सर्जरी का प्रदर्शन किया गया।

सम्मेलन के सफल संचालन और वैज्ञानिक सत्रों के समन्वय में चेयरपर्सन साइंटिफिक कमिटी डॉ भारती कश्यप, चेयरपर्सन रिसेप्शन कमिटी डॉ बीपी कश्यप, संयोजक डॉ प्रीतिस प्रोनोय, डॉ राहुल प्रसाद एवं रांची ओपथाल्मिक फोरम के नेत्र चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आज इस सम्मेलन का आधिकारिक उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह द्वारा शाम 6:00 बजे किया जाएगा।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
डोमचांच शाखा (06950) जिला - कोडरमा, झारखंड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री युगल किशोर सिंह, पिता स्व० बालरुप सिंह, निवासी ग्राम - सोनपुर खैरा, पो०- सांद, थाना- सीरदला, जिला - नवादा बिहार
जिनका ऋण खाता संख्या - 41402138813 भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा में संचालित है, द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु प्रतिभूति (सिक्योरिटी) स्वरूप निम्नलिखित संपत्ति बंधक रखी गई थी।
विक्रय विलेख सेल डीड संख्या 562, विक्रय विलेख से - 2194 दिनांक - 08.09.2020
निबंधन कार्यालय कोडरमा जिला कोडरमा झारखण्ड
मौजा - बागीटांड़, थाना- कोडरमा, थाना संख्या -332, खाता सं -02 प्लॉट नं-100 रकबा 2 डेसीमल एवं प्लॉट नं -102 रकबा 4 डेसीमल कुल रकवा - 6 डेसीमल
उक्त विक्रय विलेख बैंक कार्यालय में व्यापक खोज के उपरांत भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। श्री युगल किशोर सिंह, भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा से ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु पुनः दस्तावेज सृजित कराना चाहते हैं।
अतः यदि किसी व्यक्ति/पक्ष का उपर्युक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा, आपत्ति अथवा अधिकार हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा में अपना लिखित दावा प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

भारतीय स्टेट बैंक
डोमचांच शाखा (06950)
जिला - कोडरमा, झारखंड

SBI भारतीय स्टेट बैंक
डोमचांच शाखा (06950) जिला - कोडरमा, झारखंड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हीरालाल सुंडी, पिता- मुरलीधर सुंडी, डोमचांच गिरिडीह रोड निवासी, डोमचांच कोडरमा जिनका ऋण खाता संख्या 41309162605 भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा में संचालित है, द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु प्रतिभूति (सिक्योरिटी) स्वरूप निम्नलिखित संपत्ति बंधक रखी गई थी।
विक्रय विलेख सेल डीड संख्या 562, दिनांक 19/ 02/ 2014, निबंधन कार्यालय - कोडरमा, जिला -कोडरमा, मौजा - डोमचांच, थाना संख्या - 68, खाता संख्या - 1218, प्लॉट संख्या 4291, रकबा 2.25 डेसीमल, प्लॉट संख्या 4292, रकबा 0.50 डेसीमल एवं प्लॉट संख्या 4293, रकबा 5.50 डेसीमल कुल रकबा - 8.25 डेसीमल
उक्त विक्रय विलेख बैंक कार्यालय में व्यापक खोज के उपरांत भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। श्री हीरालाल सुंडी भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा से ऋण सुविधा प्राप्त करने हेतु पुनः दस्तावेज सृजित कराना चाहते हैं।
अतः यदि किसी व्यक्ति/पक्ष का उपर्युक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा, आपत्ति अथवा अधिकार हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर भारतीय स्टेट बैंक, डोमचांच शाखा में अपना लिखित दावा प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

भारतीय स्टेट बैंक
डोमचांच शाखा (06950)
जिला - कोडरमा, झारखंड

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा-कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मन में अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं। विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है।

भारतीय ज्योतिष विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देशभर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदय काल हैं, परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है।

ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना।

विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है।

उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा।

इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं।

एक नियत स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे स्पष्ट की जा रही हैं:-

सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रश्शि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।)

उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आयों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत प्रसिद्ध है।

वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है। 'तुला' नाम बहुत सार्थक है। विषुवत रेखा पर जब सूर्य पहुंच जाता है और तो भूमंडल का उत्तर और दक्षिण का भाग बिल्कुल बराबर तुला हुआ होता है। यही तुला शब्द की सार्थकता है, उसके बाद आगे बढ़कर सूर्य जब वृश्चिक राशि पर पहुंचता है, तो उज्जयिनी पर पड़ने वाली सूर्य की किरणें उतनी ही वक्र होती हैं, जितना बिच्छू का डंक होता है। उससे आगे बढ़ने पर उज्जैन पर पड़ने वाली किरणें और भी अधिक वक्र हो जाती हैं और धनुष के समान दिखायी पड़ती हैं। यह 'धनु' का अर्थ है। उसके बाद समुद्र के मध्यगत मकर राशि तक पहुंच कर सूर्य का पुनः उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर का स्वभाव अगाध जल में पहुंच कर पुनः स्थल की और लौटने का है, यही 'मकर' राशि की सार्थकता है। वहां से संक्रमण करता हुआ सूर्व सर्वप्रथम जिस स्थल भाग के निकट आता है, वह स्थल भाग किसी समय सम्भवतः घड़े को घोण जैसा था और इसलिए 'कुम्भघोण' नाम से प्रसिद्ध है, जहां का स्थल भाग घड़े के घोण जैसा है। कुम्भ राशि का 'कुम्भघोण' संभवतः कोई द्वीप था, जो अगाध समुद्र में लुप्त हो गया है। उससे उत्तर में बढ़ने पर अगाध समुद्र है, जिसमें प्राणी के नाम पर केवल मीनों का निवास है। अतः वह मीन राशि का प्रदेश कहलाया। वहां से आगे संक्रमण करके सूर्य लंकोदय की प्रसिद्ध नगरी लंका तक पहुंचता है और उससे वह 'वृशस्थ' कहलाया। वहीं, भारतीय कथाओं में 'वत्सराज (वृष) उदय' नाम से चित्रित हुआ है।

वन्दे मातरमः राष्ट्र चेतना का सनातन गीत और आधुनिक भारत का पुनर्जागरण

सन 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने वन्दे मातरम् की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा।

वन्दे मातरम ये दो शब्द सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की आत्मा का गूढ़ और दिव्य उद्गार हैं। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक जड़ है, जो भूमि, संस्कृति, शक्ति और ज्ञान इन चारों को मातृभाव में एक सूत्र में पिरोता है। जब कोई भारतीय ह्लवन्दे मातरम्ह्न कहता है तो वह केवल मातृभूमि को प्रणाम नहीं करता बल्कि उस चेतना, परंपरा और जीवन दर्शन को नमन करता है जिसने इस देश को हजारों वर्षों से जीवित और गतिशील

कैलाश चंद

बनाए रखा है। आज, जब इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार के 2026 के नए दिशा-निर्देश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय अपील सामने आई है, तब यह गीत एक बार फिर राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित होता दिखाई दे रहा है। भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को ह्लमाताह्न कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य ह्लमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्न भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार ह्लवन्दे मातरम् की आत्मा में समाहित है।

जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने वन्दे मातरम् की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया। उन्होंने भारत की प्राचीन आत्मा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उनके लिए भारत केवल एक देश नहीं था बल्कि एक जीवित मातृशक्ति थी, जो लक्ष्मी के रूप में समृद्धि देती है, सरस्वती के रूप में ज्ञान प्रदान करती है और दुर्गा के रूप में शक्ति का संचार करती है। इसीलिए इस गीत की हर पंक्ति में प्रकृति, शक्ति, ज्ञान और मातृत्व का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

सन 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने वन्दे मातरम् की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे स्वर दिया, तब यह गीत पूरे देश में फैल गया और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन गया। धीरे-धीरे यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण मंत्र बन गया। साल 1905 के बंग भंग आंदोलन के समय वन्दे मातरम् हर गली, हर सभा और हर आंदोलन की धड़कन बन गया। विद्यार्थी जुलूसों में यह गूंजता था, महिलाओं की सभाओं में यह प्रेरणा देता था, क्रांतिकारियों के शपथ पत्रों में यह आत्मबल जगाता था और राष्ट्रीय आंदोलनों में यह एकजुटता का स्वर बन जाता था। यह केवल गीत नहीं रहा, यह आत्मगौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष बन गया। श्री अरविन्द ने इसे राष्ट्र आत्मा का मंत्र कहा। लाला लाजपत राय, सुब्रमण्य भारती, लाला हरदयाल और भीकाजी कामा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी पत्रिकाओं और पत्रों के शीर्षक में वन्दे मातरम् को स्थान दिया। महात्मा गांधी भी अपने कई पत्रों का समापन इसी मंत्र के साथ करते थे। ब्रिटिश सरकार ने इस गीत के प्रभाव को समझा और इसे रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन जितना दमन हुआ, उतनी ही इसकी शक्ति और बढ़ती गई। यह जनता के हृदय में बस चुका था और वहां से इसे कोई नहीं हटा सकता था।

समय के साथ यह गीत केवल स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति बनकर नहीं रह गया बल्कि भारतीय पहचान का स्थायी प्रतीक बन गया। 30 से 31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसे राष्ट्र चेतना का मूल स्वरबद्ध गीत बताया। उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् एक दिव्य गीत है, जो राष्ट्र चेतना को जागृत करता है और समाज को जोड़ने वाली अद्भुत डोर है। उनके अनुसार यह गीत सभी प्रांतों, भाषाओं और समुदायों के बीच समान रूप से स्वीकार्य है और यह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और आत्मस्वत्व का आधार है। संघ ने समाज से आान किया कि इस 150 वर्ष के पावन काल में वन्दे मातरम् की ज्योति हर हृदय में प्रज्वलित हो और इसी भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया जाए।

इसी संदर्भ में 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा घोषित नए दिशा-निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। इन निदेशों के अनुसार राष्ट्रीय आयोजनों में राष्ट्रगान से पहले वन्दे मातरम् के सभी छह अंतरों का गायन किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग तीन मिनट दस सेकंड होगी। राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान, राष्ट्रीय ध्वज समारोह, पद्म पुरस्कार और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों में भी प्रार्थना की शुरूआत वन्दे मातरम् से करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी सजा का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह एक दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रयास है, एक ऐसा प्रयास जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में है। आज के समय में वन्दे मातरम् अक्सर केवल दो शब्दों तक सीमित होकर रह जाता है। लोग इसे एक नारे के रूप में बोलते हैं किंतु इसकी वास्तविक महत्ता पूरे गीत में निहित है। ये दो शब्द भावना जगाते हैं, लेकिन पूरा गीत चेतना जगाता है। इसकी संपूर्ण रचना में राष्ट्र चेतना को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करने की क्षमता है। इसमें प्रकृति का सौंदर्य है, संस्कृति का गौरव है, ज्ञान का प्रकाश है और शक्ति का तेज है। ये चारों तत्व मिलकर इसे केवल एक गीत नहीं बल्कि जीवन दर्शन बना देते हैं। वन्दे मातरम हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक इकाई नहीं होता, यह एक जीवित सांस्कृतिक सत्ता होता है। इसकी सेवा कर्तव्य से बढ़कर है, यह तप और साधना है। मातृभूमि सिर्फ भूमि का टुकड़ा नहीं, वह हमारी चेतना, पहचान और अस्तित्व का आधार है। जब हम वन्दे मातरम् कहते हैं तो हम उस परंपरा को नमन करते हैं जिसने हमें जन्म दिया, पाला और संस्कारित किया।

कायम है आवाज की दुनिया का जादू

साल 1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। साल 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हट्र्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूरसंचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था।

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

एक स्थान से दूसरे स्थान तक बे-तार आवाज पहुँचाने और इस क्रम में रेडियो जैसे बोलते उपकरण

प्रयाग पाण्डे

के आविष्कार की कहानी बेहद दिलचस्प है। तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

साल 1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। साल 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हट्र्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूरसंचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हट्र्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। साल 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और साल 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया। प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलिन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरूआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़ कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया।साल 1920 में वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

साल 1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने भारत सरकार से रेडियो प्रसारण का अनुज्ञा-पत्र प्राप्त कर 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। इस प्रसारण केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने किया था। साल 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन वजूद में आई। साल 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। साल 1957 में आकाशवाणी किया गया।

रेडियो एक सशक्त श्रव्य माध्यम है। ध्वनि की अजूबी दुनिया है। वेदों के अनुसार सृष्टि की रचना का आधार ध्वनि को माना जाता है। कहा गया है कि ध्वनि से सृष्टि की रचना हुई। ध्वनि से ब्रह्मांड का विस्तार होता है। ध्वनि से ही वाणी उत्पन्न हुई। वाणी को मन का यथार्थ चित्र माना गया है।

रेडियो की दुनिया, आवाज की दुनिया है। इसका अद्भुत और आकर्षक संसार है। अपना सम्मोहन है। रेडियो की आवाज की सम्मोहक दुनिया श्रोताओं को पलक झपकते संपूर्ण ब्रह्मांड का विचरण करा देती है। रेडियो की इसी विशेषता ने रेडियो के 'दीवानों' की लंबी परंपरा कायम की है। तत्काल और तत्क्षण संदेश प्रसारित करने की अद्भुत विशेषता की वजह से द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रसार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेडियो का तीव्र गति से विस्तार हुआ।

शुरूआती दिनों में हेडफोन लगाकर रेडियो सुना जाता था। कालांतर में बड़े रेडियो आए, जिन्हें सामूहिक रूप से सुना जाता था। साल 1947 में राकले, ब्राटेन और बार्डिन नाम के तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ट्रांजिस्टर का आविष्कार किया। ट्रांजिस्टर के आविष्कार से रेडियो की दुनिया में क्रांति आ गई। रेडियो सुनना सामूहिक से निजी हो गया। तब जहाँ सड़क, बिजली और यातायात के साधन नहीं थे, उन दूरस्थ क्षेत्रों में भी ट्रांजिस्टर पहुँच गया। पहुँच, निरंतरता, सुलभता और सस्ती तकनीक के कारण रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का लोकप्रिय जनसंचार माध्यम बन गया।

रेडियो सर्वसुलभ एवं सस्ता जनसंचार माध्यम है। साक्षर और निरक्षर सभी के लिए उपयोगी है। नेत्रहीनों के लिए वरदान है। रेडियो का लचीलापन और पहुँच बेजोड़ है। रेडियो को जहाँ जी चाहे ले जा सकते हैं, सुन सकते हैं। कोई भी काम करते समय इसे सुना जा सकता है। रेडियो के लिए भौगोलिक सीमाएं कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों और गाँवों में, जहाँ जनसंचार के अन्य माध्यमों की पहुँच नहीं है, वहाँ के लिए रेडियो ज्ञान का प्रवेश द्वार है।

रेडियो दृश्यहीन माध्यम है। रेडियो की दुनिया का सारा दारोमदार ध्वनि और आवाज पर निर्भर है। श्रव्य माध्यम होने के कारण इसकी कुछ सीमाएं हैं। बावजूद इसके रेडियो की अपनी कुछ अनूठी विशेषताएं हैं। रेडियो 'वर्तमान' और 'जीवंत' होने का बोध कराता है। रेडियो श्रोताओं की कल्पनाशक्ति को जागृत करता है। श्रोताओं की कल्पनाशक्ति और विचारशक्ति को उन्मुक्त उड़ान भरने का अवसर प्रदान करता है, इसके उलट दृश्य माध्यम दर्शकों की विचारशक्ति को कुंठित करते हैं और उनकी मौलिक सोच को प्रभावित करते हैं।

साल 1990 के दशक में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में आई क्रांति ने संचार क्रांति को जन्म दिया है। उपग्रहों और अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से जनसंचार माध्यमों की शक्ति और विस्तार को अकल्पनीय ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है। नित नए आविष्कारों ने टीवी, मोबाइल समेत रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाले अनेक उपकरणों को 'स्मार्ट' बना दिया है। संपूर्ण ब्रह्मांड की समस्त जानकारियां एक छोटे-से मोबाइल में समा गई हैं। संचार क्रांति के मौजूदा दौर में भी रेडियो की प्रासंगिकता बनी हुई है। कम्युनिटी रेडियो आ गए हैं। सैकड़ों खबरिया चैनलों के आ जाने के बावजूद

शिव और शनिदेव की कृपा का महासंयोग

आज यानी की 14 फरवरी 2026 को प्रदोष व्रत रखा जाएगा। शनिवार को पड़ने के कारण इसको शनि प्रदोष व्रत कहते हैं। शनि प्रदोष व्रत पर भगवान शिव और शनिदेव की पूजा करने पर व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। यह प्रदोष व्रत पुरुष और महिला दोनों के लिए फलदायी माना जाता है। इस व्रत की खासियत है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल यानी की सूर्यास्त के बाद शाम के समय किया जाता है। वहीं धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष काल में भोलेनाथ प्रसन्न मुद्रा में होते हैं और ऐसे में व्यक्ति अगर भगवान शिव की पूजा-उपासना करते हैं, तो भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। तो आइए जानते हैं शनि प्रदोष व्रत की तिथि,

मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक शनि प्रदोष व्रत की पूजा का शुभ समय 14 फ?वरी की शाम 06:10 मिनट से लेकर रात 08:44 मिनट तक रहेगा। इस दौरान विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए। प्रदोष काल में की गई भगवान शिव की पूजा को विशेष पुण्यदायक माना जाता है।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करके साफ कपड़े पहनें। फिर हाथ में गंगाजल लेकर व्रत का संकल्प लें और मंदिर को साफ करें। घर के मंदिर में पूजा करने के बाद शिव मंदिर जाएं। वहां पर शिवलिंग का जलाभिषेक करें और दिन पर व्रत रखें। इसके बाद प्रदोष काल में स्नान आदि करके शिव पूजा शुरू करें। भगवान शिव को बेलपक्ष, दीपक, धूप, अक्षत, गंगाजल और फल आदि अर्पित करें। इसके बाद भगवान शिव के समक्ष देसी घी का दीपक जाएं और प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें। फिर भगवान शिव की आरती करें और 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। शिव पूजन करने के बाद शनि मंदिर जाकर शनिदेव को सरसों का तेल अर्पित करें और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। माना जाता है कि इससे जातक पर शनि दोष का प्रभाव कम होता है और साथ ही भगवान शिव और शनिदेव का आशीर्वाद मिलता है।

टिप्स

हार्ट अटैक का खतरा होगा कम, नसों में जमा कोलेस्ट्रॉल साफ करेगा यह खास लहसुन

भागदौड़ भारी जिंदगी, गलत खान-पान और तनाव के कारण हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या बढ़ने लगी है। यह समस्या बेहद आम हो गई है और यह काफी तेजी बढ़ता जा रहा है। नसों में जमा हुआ खराब कोलेस्ट्रॉल हार्ट ब्लॉकेज, हाई बीपी और दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियां का खतरा बढ़ा सकता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर दवाओं पर निर्भर रहने लगते हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि आयुर्वेद में इसका नेचुरल और असरदार समाधान है। अब आप कश्मीरी लहसुन की मदद से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल कर सकते हैं। यह उपाय बेहद ही शक्तिशाली देसी उपाय है। यह न सिर्फ बैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है, बल्कि गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने और हार्ट हेल्थ को बेहतर रखने के लिए सबसे बढ़िया है।

कोलेस्ट्रॉल का देसी रामबाण उपाय- कश्मीरी लहसुन

कश्मीरी लहसुन जिसे ह्यएक कली लहसुनह्न के नाम से भी जाना जाता है, अपने विशेष औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। यह हृदय स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले प्रबल एंटीऑक्सीडेंट और सल्फर तत्व शरीर में जमा हानिकारक कोलेस्ट्रॉल (छऊछ) को घटाने तथा लाभकारी कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं, जिससे दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। इसलिए आप दवाओं की जगह एक बार डॉक्टर से सलाह लेकर आयुर्वेदिक उपाय जरुर करें।

कश्मीरी लहसुन को कैसे खाएं?

- सबसे पहले आप कश्मीरी लहसुन की 4-5 छोटी कलियां जरुर लें।
- इन्हें आप छीलकर हल्का से कूट लें।
- सुबह खाली पेट अच्छी तरह चबाकर खाएं और इन्हें पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं और धीरे-धीरे पिएं।
- इसके सेवन के बाद कम से कम 1 घंटे तक कुछ भी न खाएं-पिएं।

कश्मीरी लहसुन के फायदे

- कश्मीरी लहसुन खाने से गुड कोलेस्ट्रॉल (ल्ठऊछ)को नेचुरली बढ़ा सकता है,

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दीवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

आग लगने से घर के अंदर रखा हुआ सारा सामान जलकर राख

साहिबगंज : सदर प्रखंड क्षेत्र के गंगोता टोला अंबडीहा में शुक्रवार शाम को वकील गोढ़ी के घर में एकाएक आग लगने से घर के अंदर रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना के दौरान पीड़ित परिवार के मुखिया वकील गोढ़ी मजदूरी करने के लिए बाहर गए हुए थे जहां घर में उनकी पत्नी व छोटा पुत्र था। उधर आग कैसे लगी यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है जहां स्थानीय लोगों की मदद से आग पर किसी तरह से काबू पाने का प्रयास किया गया।

जेके इंटरनेशनल स्कूल ने मनाया गया 5 वां वार्षिकोत्सव समारोह

कोडरमा : लकख्खीबागी कोडरमा में स्थित जे. के. इंटरनेशनल स्कूल में बड़े ही धूमधाम से 5 वाँ स्कूल वार्षिकोत्सव समारोह मनाया गया। इस मौके पर कोडरमा जिला परिषद अध्यक्ष श्री रामधन यादव एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उपस्थित सभी अतिथियों व दर्शकों को स्वागत बच्चों ने स्वागत गान व स्वागतम नृत्य पेश किया। इस अवसर पर विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत , नृत्य, कला , भाषण नाटक एवं हास्य व्यंग्य आदि प्रस्तुत किए गए। स्वागत गान की प्रस्तुति जैनब, करिश्मा, शिवानी एवं कक्षा - नवम की सुलेखा , सोनाली एवं कक्षा अष्टम की छात्राओं ने मिलकर किया । वही स्वागत नृत्य क्लासिकल कक्षा - अष्टम की छात्राएं मुनिया, सुलेखा एवं इनकी टीम ने मिलकर प्रस्तुत किए जबकि स्वागत नृत्य गणेश वंदना कक्षा सप्तम के छात्र अनिकेत एवं इनकी टीम ने प्रस्तुत किए। तत्पश्चात नर्सरी, एल केजी, युकेजी के छात्र-छात्राओं ने गलती से मिस्टेक , मोबाइल डांस एवं सिम्बा डांस आदि ग्रुप डांस प्रस्तुत कर समा बांध दिया। कार्यक्रम में विविध शैली के डांस प्रस्तुत किए गए जिसमें से राजस्थानी डांस शिम्पी कुमारी कक्षा - नवम की छात्रा एवं इनकी टीम, छम्मा - छम्मा डांस मिस्बाह कक्षा - तृतीय एवं टीम , धड़क धड़क डांस , अलाफिया कक्षा - प्रथम एवं टीम बिहार लोक नृत्य - झिझिया करिश्मा कक्षा छह एवं इनकी टीम, नागपुरी डांस मुनिया कक्षा -अष्टम एवं इनकी टीम, मास डांस संजीत कक्षा - दो एवं इनकी टीम, आर्मी डांस कृष कक्षा -नवम एवं इनकी टीम की बहुत ही सराह गया । वही शिवम कक्षा -सप्तम एवं पीयूष कक्षा - दशम के द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम मे राबिया गुप्ता कक्षा - प्रथम की छात्रा द्वारा प्रस्तुत एकल नृत्य को बेहद पसंद किया गया। कार्यक्रम के बीच - बीच में सीसीए सर्टिफिकेट का वितरण एवं अतिथियों के मुखारविंद से अनमोल मार्गदर्शन भी प्राप्त हुए । इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपस्थित अन्य अतिथियों ने एक स्वर में यह माना कि कोडरमा में शिक्षा जगत में महान उपलब्धियां को हासिल करना एवं विशिष्ट शिक्षा प्रदान करने में जे. के. इंटरनेशनल स्कूल की भूमिका सदैव अग्रणी रही है । मंच का संचालन अंत में कार्यक्रम का समापन स्कूल निदेशक राजेश कुमार यादव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकाश के लिए सदैव तत्पर रहना है । बच्चों मै असीम प्रतिमा विकसित कर इन्हें आज के समय के अनुसार कर्मशील एवं मेहनतकश बनाने में पूरा स्कूल परिवार सतत प्रयासशील रहा है। अंत में उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावक गण एवं अन्य दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं अरविंद कुमार पांडे (प्राचार्य), राजेंद्र प्रसाद, मौशमी देवी, सुजीत कुमार, अविनाश कुमार पांडे, रंजीत कुमार, नईम अंसारी, सुरेंद्र कुमार, सोनम कुमारी, खुशी सिन्हा, सीमा यादव, निखत परवीन, श्वेता कुमारी, सोनाली कुमारी, कल्पना कुमारी , सौम्य बर्नवाल एवं जन प्रतिनिधि, अतिथिगण, अभिभावक गण, एवं हजारों की संख्या में अन्य उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया डिस्पैच सेंटर और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

मेदिनीनगर : पलामू जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस ने शुक्रवार को विभिन्न पदाधिकारियों के साथ मेदिनीनगर के जीएलए कॉलेज परिसर में बनाए गए डिस्पैच सेंटर और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। पलामू जिले के सभी पांचों नगर निकाय में नगरपालिका आम चुनाव-2026 के तहत मतदान और मतगणना संबंधित कार्य के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। निरीक्षण के दौरान डीडीसी जावेद हुसैन और उप-निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी रतन कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कॉलेज में चल रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पोलिंग पार्टियों के डिस्पैच की तैयारियों का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने उप-निर्वाचन पदाधिकारी-सह-पंचायती राज पदाधिकारी को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं समय पर और त्रुटिरहित सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला प्रशासन ने तय किया है कि 22 फरवरी को डिस्पैच सेंटर से विभिन्न मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों को रवाना किया जाएगा। इसे लेकर काउंटरवार सुव्यवस्थित डिस्पैच व्यवस्था, निर्वाचन सामग्री किट का पूर्ण संकलन, पोलिंग कर्मियों की उपस्थिति का सत्यापन तथा रैंडमाइजेशन के अनुरूप प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती, रूट चार्ट के अनुसार वाहन व्यवस्था, पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण संबंधी दिशा-निर्देशों का पुनः स्मरण, मेडिकल सहायता, पेयजल, शौचालय समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया गया है। डिस्पैच सेंटर पर कड़ी निगरानी रखने को लेकर कंट्रोल रूम और हेल्प डेस्क भी स्थापित किया जा रहा है। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए इसे आवश्यक भी बताया। स्ट्रांग रूम व मतगणना परिसर में रिसीविंग टेबल पर मतदान कर्मियों के पहुंचने के लिए सुलभ व्यवस्था, मतगणना के दिन कर्मियों एवं चुनावी अभिकताओं का आवागमन व्यवस्था, मतगणना कक्ष में टेबल का संधारण सहित सुरक्षा व्यवस्था आदि को ले कर भी उन्होंने दिशा निर्देश दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी सह वाहन कोषांग के नोडल पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, एनडीसी नीरज कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रमोद उरांव आदि भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

शहर में दिन प्रतिदिन जाम की समस्या से आम आदमी परेशान

संवाददाता

साहिबगंज : इन दोनों साहिबगंज शहरी क्षेत्र में जाम की समस्या दिन प्रतिदिन गराहते जा रही है जिससे पैदल चलने वाले आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी की नहीं रहने के कारण यह समस्या हो रहा है। बीते दिन दोपहर लगभग 1:30 बजे पूर्वी फाटक बंद रहने के कारण रेलवे लाइन पुल के नीचे से टोटो गाड़ी का आना-जाना लगा रहता है जिससे कभी-कभी लोगों को जाम की समस्या से पीड़ित होना पड़ता है। इस जगह पर पुलिस प्रशासन का मौजूदगी जरूर होना चाहिए जिससे जाम की समस्या से निपटा जा सके जबकि आम जनता से मारपीट होते-होते बचा जो किसी तरह झगड़ा को शांत किया गया हो ना हो किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घट जाए जिला प्रशासन इस ओर जल्द से जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनते नजर आ रही है। जबकि साहिबगंज झारखंड में मोटर वाहन अधिनियम 2019 और झारखंड राज्य के नियमों के अनुसार यातायात नियमों का पालन अनिवार्य है। मुख्य नियमों में हेलमेट सीट बेल्ट का प्रयोग, ओवरस्पीडिंग से बचना, शराब पीकर गाड़ी न चलाना और ड्राइविंग लाइसेंस दस्तावेज साथ रखना शामिल है। उल्लघन पर ऑनलाइन ई-चालान के माध्यम से जुमार्ना लगाया जाता है। साहिबगंज जेएएच18 में मुख्य यातायात नियम ड्राइविंग लाइसेंस, आरसी इंश्योरेंस और पीयूसी सर्टिफिकेट हमेशा साथ रखें। दोपहिया वाहन पर हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट अनिवार्य है। शराब पीकर वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है, जिसमें 10,000 रुपये तक जुमार्ना या जेल की सजा हो सकती है।मोबाइल गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें। ओवरस्पीडिंग तेज रफ्तार से बचें, शहर में गति सीमा का पालन करें।लेन सिग्नल ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें और अपनी लेन में ही वाहन चलाएं। अवैध पार्किंग के लिए भारी जुमार्ना लगाया जा सकता है।साहिबगंज में यातायात नियमों के उल्लंघन पर झारखंड पुलिस और आरटीओ द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाती है। वहीं दूसरी और सभी टोटो ऑटो चालकों को ड्रेस कोड के बारे में भी बताया गया था लेकिन इसका पालन अभी तक नहीं हो रहा है आम जनता का कहना है कि ड्रेस कोड रहने से टोटो और ऑटो मैं चलने में आम जनता को परेशानी नहीं होगी यहां तो जब तक पैसा फिक्स नहीं होता है तब तक नियमों का पालन करवाना सीखता है जब पैसा फिक्स हो जाता है तो तुम जैसे चलाओ हम देख लेंगे यह तो बात हो रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से एक भी ट्रैफिक पुलिस किसी जगह नजर नहीं आते यह तो हाल है साहिबगंज शहर तो शहर ग्रामीण क्षेत्रों में भी जाम से आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है हालांकि जिला प्रशासन के द्वारा कई पहल भी किया गया फिर भी लेकिन कोई पालन नहीं होना यह तो दुर्भाग्यपूर्ण है क्या पुलिस प्रशासन का डर टोटो चालक और ऑटो चालक खत्म हो गया है क्या सिर्फ पुलिस प्रशासन खाना पूर्ति करने के लिए ही है ऐसा क्यों जनता जाए तो जाए कहां यह बात भी सोचने वाली है।

आरबीआई का वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से १४ दिवसीय जुट प्रॉडक्ट उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार,आसेटीं निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक आजीविका सखी मंडल के डीपीएम मार्टिन तारिक,डीएम जॉब्स एंड स्किल राजेन्द्र कुमार,बी पी एम बोरियो चांद अकरम ने सभी दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया।प्रशिक्षुओ को संबोधित करते हुए जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक देकर ने सभी को प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भविष्य को सवारे मौके पर आसेटीं प्रशिक्षक राजहंस कुमार और उपेन्द्र गोप उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में आजीविका सखी मंडल से आई हुई कुल ३५ दीदियों ने भाग लिए।साथ ही आसेटीं साहिबगंज में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के सौजन्य से वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । साथ ही जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाया गया।मौके सभी बैंकों के प्रतिनिधि और बीसी उपस्थित रहे । प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुये कहा कि महिलाएं प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन कर समाज वार देश के आर्थिक विकाश में सहयोग कर सकती है और अपने परिवार को आर्थिक कमजोरी को मजबूत कर सकती निदेशक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जेएसपीएलस और आसेटीं आज समाज में बहुत अच्छा काम कर रही है और अभी प्रशिक्षुओ को उनके उज्जवल भविष्य का रास्ता दिखा रहे है।मौके पर सभी प्रखंडों से आए कुल सैकड़ों प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।कार्यक्रम को सफल बनाने सहित दर्जनों महिलाएं और पुरुषब उपस्थित थे।

शिव की प्रतिमा का शिवलिंग के रूप में दिखाया जाना सिद्ध करता है कि परमात्मा निराकार हैं : बजरंगी

संवाददाता

साहिबगंज : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय साहिबगंज शाखा की ओर से गर्ल्स हाई स्कूल के निकट अयोध्या धाम के प्रांगण में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में द्वादश ज्योतिर्लिंगम- ज्ञान और आत्म जागृति का दिव्य संदेश विषय को लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें द्वादश ज्योतिर्लिंग जो निराकार परमपिता परमात्मा शिव के दिव्य और अलौकिक कर्तव्य को दशार्ते हैं।उसका प्रतिरूप मॉडल के रूप में बनाया गया।कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने फीता काटकर किया।ब्रह्माकुमारीज साहिबगंज सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी बिंदु दीदी ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ,अंगवस्त्र और परमात्मा शिव का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस कार्यक्रम के लिए ही विशेष रूप से पधारी ब्रह्माकुमारीज,कोलकाता बारानगर सेवा केंद्र से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी किरण दीदी जी ने महाशिवरात्रि और पूरे भारतवर्ष में मशहूर द्वादश ज्योतिर्लिंगम का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि, भारत के कोने कोने में शिव के लाखों मंदिर है जिसमें शिव की प्रतिमा शिवलिंग के रूप में पाई जाती है। कश्मीर में अमरनाथ,गुजरात के सौराष्ट्र में सोमनाथ,वाराणसी में विश्वनाथ, उज्जैन में महाकालेश्वर के रूप में प्रसिद्ध शिव के मंदिर है।इन शिवालयों के नाम परमात्मा के दिव्य कर्तव्यों के परिचायक है जिससे संकेत मिलता है की शिव ही परमात्मा है।दक्षिण भारत तमिलनाडु में रामेश्वर के स्थान पर श्रीराम ने और वृंदावन में गोपेश्वर के स्थान पर श्री कृष्ण ने भी शिव का पूजन किया था यह वृत्तांत भी इस सत्यता का घोतक है कि शिव ही देवों के देव एवं श्री राम और कृष्ण के भी परमपिता परमात्मा है।वही मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के रास्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि शिव की प्रतिमा का शिवलिंग के रूप में दिखाया जाना सिद्ध करता है कि परमात्मा निराकार है जिसका देवी-देवताओं जैसा कोई साकार पुलिंग अथवा स्त्रीलिंग का स्वरूप नहीं बल्कि ज्योतिर्लिंग निराकार स्वरूप है इसलिए भारत के 12 प्रसिद्ध शिवालयों को ज्योर्तिलिंगम मठ कहा जाता है।श्री यादव ने कहा कि ब्रह्मा,विष्णु एवं शंकर तीन सुक्ष्म आकारी देवताओं के भी रचयिता होने कारण परमात्मा शिव को त्रिमूर्ति भी कहते हैं।वही आध्या डांस एकेडमी से आई बच्चियों ने अपने नृत्य कला के द्वारा परमात्मा शिव के कर्तव्यों का संदेश दिया।मंच का संचालन ब्रह्माकुमारीज साहिबगंज की उप -संचालिका नीतू दीदी ने किया।मौके पर राजेश यादव,चेतन भरतीया,डॉ देवव्रत कालिदास पाठक,माखन यादव,भरत यादव जागरूक समाज सेवी,श्याम विश्वकर्मा,राजेश अग्रवाल,रश्मि चौखानी, दुर्गा प्रसाद यादव, बजरंगी यादव , गोपाल चौखानी, जय प्रकाश सिंहा, विनोद यादव, कृष्ण कुमार शर्मा, श्री निवास यादव, अनंत कुमार यादव,मनोज केशरी, सहित शहर के कई गणमान्य लोग एवं महिलाएं मौजूद थे।

बाटा रोड में नरेश स्वीट्स का हुआ उद्घाटन,कम कीमतों पर उच्च गुणवत्ता के मिठाई उपलब्ध

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के बाटा रोड में शुक्रवार शाम को वर्ष 1960 से चले आ रहे नरेश स्वीट्स का उद्घाटन वरिष्ठ महिला उमा देवी के द्वारा नारियल फोड़कर व फीता काटकर किया गया। जहां इस मौके पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य सुनीत पंडित समेत अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद थे। उधर नरेश स्वीट्स के प्रोपराइटर गौरव सिंह ने बताया कि उनके मिठाई दुकान में काजू के अलग अलग प्रकार के मिठाई के साथ साथ पश्चिम बंगाल का फेमस मिष्टी दही,संदेश समेत अन्य कई प्रकार की मिठाई उच्च गुणवत्ता के साथ मौजूद थे।आगे उन्होंने अपने ग्राहकों को भरोसा दिलाया कि जिस प्रकार से उनलोगों का प्यार व स्नेह पूर्व से मिलता आ रहा है आगे भी नरेश स्वीट्स में अच्छी क्वालिटी का मिठाई हमेशा मिलता रहेगा।इस मौके पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य सुनील पंडित,आचार्य अजीत मालवीयआचार्य अमित कुमार सिंह,उमा देवी,पूनम देवी,गौरव सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जलापूर्ति पाइपलाइन का निरीक्षण,अधिकारियों को दिया अविलंब जलापूर्ति बहाल करने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : विगत कई दिनों से बाधित बरहेट मेगा जलापूर्ति के कारण आमजनों में पानी की किल्लत को देखते हुए। जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,झामुमो प्रखण्ड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी व प्रखण्ड सचिव मुजीबुर्रहमान ने संयुक्त रूप से विभाग के अधिकारियों के साथ पाइपलाइन का निरीक्षण किया।पाइपलाइन में लीकेज के कारण जलापूर्ति में आई बाधा को जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने विभाग के अधिकारियों को अविलंब दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए।उन्होंने पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आमजनों को जलापूर्ति से संबंधित हो रही परेशानी का शीघ्र समाधान करने के लिए आवश्यक एवं ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए।मौके पर झामुमो कार्यकर्ता एजाज अंसारी,सहायक अभियंता सुनील दत्ता,कनीय अभियंता मुकुल कुमार,प्रो हाशिम अख्तर,अब्दुल हमीद,शमशेर अली सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

यहां मन को छूने वाला भक्ति पूर्ण माहौल दिखा : पंकज मिश्रा

ऐसे कार्यक्रम विश्व शांति के लिए काफी जरूरी है : राजनंदनी

साहिबगंज : महाशिवरात्रि मोती झरना मेला के पावन अवसर पर साहिबगंज जिले के महाराजपुर स्थित गंगा तट किनारे श्री श्री 108 महारुद्र यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर तकरीबन 11000 कन्या एवं महिलाओं के द्वारा भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई।इसका उदघाटन झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा कथा वाचिका माता राजनंदनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।वही झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा को यज्ञ कमेटी की ओर से शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा कि यहां आकर उन्हें सचमुच बहुत अच्छा लगा,यहां मन को छूने वाला भक्ति पूर्ण माहौल दिखा,उन्होंने यज्ञ के आयोजकों को धन्यवाद दिया,वही अयोध्या से यहां पहुंचे कथा वाचिका राजनंदनी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विश्व शांति के लिए काफी जरूरी है।वे यहां पिछले काफी समय से आ रही है।बाद में गंगा से जल भरकर बालिका एवं महिलाओं ने महाराजपुर का परिभ्रमण किया।कलश शोभा यात्रा यज्ञ परिसर से शुरू हुआ,जो महाराजपुर बाजार होते हुए मोती झरना के प्रवेश द्वार तक पहुंच कर वापस यज्ञ स्थल पर लौटकर समाप्त हुआ।यहां भव्य कलश यात्रा में शामिल महिलाओं एवं बच्चियों ने भंडारा में प्रसाद ग्रहण किया।श्री 108 महारुद्र यज्ञ कार्यक्रम आज से शुरू होकर 5 दिनों तक चलेगा।श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ 11 फरवरी को किया गया था जो सात दिनों तक चलेगा।यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष संजीव महतो, उपाध्यक्ष बिरजू महतो,पंकज यादव,बजरंगी महतो सहित अन्य ने बताया कि यह महायज्ञ यहाँ पर 18वर्ष से हो रहा है।कहा कि आज से 5 दिन तक लगातार भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।महिलाओं के लिए जो भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई थी,जिसमे महाराजपुर मंगलहाट,तीनपहाड़ साहिबगंज सकरीगली तालझारी सहित अन्य जगहों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई,5 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम में झारखंड,बिहार,पश्चिम बंगाल सहित अन्य दूधराज के इलाके से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।महाशिवरात्रि को लेकर काफी भीड़ होने की संभावना रहती है।मौके पर तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय,राजमहल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन,यज्ञ समिति के मुन्ना यादव,पंकज गुप्ता, केदार साह, नरेश महतो, जयप्रकश भगत, प्रदीप साह, कृष्णा चौरसिया संजय साह,रोशन कुमार राम,अनीता देवी सहित भारी संख्या मे श्रद्धालु गण मौजूद थे।

घूसखोर पंडत विवाद पर मनोज ने तोड़ी चुप्पी

नेटफ्लिक्स की आगामी वेब सीरीज 'घूसखोर पंडत' रिलीज होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। विवाद की वजह इसका टाइटल है, जिसे लेकर ब्राह्मण समुदाय के कुछ वर्गों ने आपत्ति जताई है। मामला इतनी तेजी से आगे बढ़ा कि दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका, लखनऊ में एफआईआर और देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन तक पहुंच गया। इसी बीच अब इस पूरे विवाद पर सीरीज के मुख्य अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने फिल्ममेकर नीरज पांडे के आधिकारिक बयान को शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बात रखी है। मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में सबसे पहले लोगों की भावनाओं को सम्मान देने की बात कही। उन्होंने लिखा, 'लोगों ने जो भावनाएं और चिंताएं साझा की हैं, मैं उनका सम्मान करता हूं और उन्हें गंभीरता से लेता हूं। जब आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा होते हैं जिससे कुछ लोगों को ठेस पहुंचती है, तो वह आपको रुककर सोचने और सुनने के लिए मजबूर करती है। एक अभिनेता के तौर पर मैं किसी फिल्म या सीरीज से अपने किरदार और कहानी के माध्यम से जुड़ता हूं। मेरे लिए यह एक कमियों से भरे व्यक्ति और उसकी आत्मबोध की यात्रा को दर्शाने का प्रयास था। इसका उद्देश्य किसी भी समुदाय के बारे में कोई बयान देना नहीं था। मनोज बाजपेयी ने अपने पोस्ट में निर्देशक नीरज पांडे के साथ अपने लंबे अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ''नीरज पांडे के साथ काम करते हुए मैंने हमेशा यह देखा है कि वे अपनी फिल्मों को लेकर गंभीरता और सावधानी बरतते हैं। जनभावनाओं को देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने सभी प्रमोशनल मटेरियल को हटाने का फैसला लिया है।'' विवाद तब शुरू हुआ जब नेटफ्लिक्स के 'नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स' इवेंट में 'घूसखोर पंडत' का फर्स्ट लुक और टीजर सामने आया।

राजपाल यादव की मदद के लिए आगे आए सोनू सूद

इंडस्ट्री से एकजुट होने की अपील

हिंदी सिनेमा में दशकों से दर्शकों को हंसाने वाले राजपाल यादव तिहाड़ जेल हैं क्योंकि अभिनेता 5 करोड़ रुपए का लोन चुकाने में असमर्थ रहे। 6 फरवरी को कोर्ट के आदेश के बाद अभिनेता आत्मसमर्पण कर चुके हैं लेकिन अब अभिनेता सोनू सूद ने आगे आकर राजपाल यादव की मदद करने की ठानी है और इंडस्ट्री के बाकी लोगों से भी एकजुटता की अपील की है। समाज सेवा में बड़ा योगदान देने वाले सोनू सूद ने अब इंडस्ट्री के लोगों की मदद करने का फैसला लिया है। अभिनेता इस बात से बहुत दुखी हैं कि दशकों से सबको गुद्गुदाने वाला अभिनेता पैसों की तंगी से जूझ रहा है और जेल की सलाखों के पीछे है। अभिनेता को सपोर्ट करते हुए सोनू सूद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राजपाल यादव एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं जिन्होंने वर्षों तक हमारे उद्योग को अविस्मरणीय योगदान दिया है। कभी-कभी जीवन अन्यायपूर्ण हो जाता है, प्रतिभा की वजह से नहीं, बल्कि समय के क्रूर होने की वजह से। उन्होंने आगे लिखा, 'वह मेरी फिल्म का हिस्सा होंगे, और मेरा मानना ??है कि यह हम सभी के लिए निर्माताओं, निर्देशकों, सहकर्मियों के लिए एकजुट होने का क्षण है। भविष्य के कार्यों के बदले समायोजित की जाने वाली एक छोटी सी साइनिंग राशि दान नहीं, बल्कि सम्मान है। जब हमारे अपने किसी व्यक्ति को कठिन दौर से गुजरना पड़ता है, तो इंडस्ट्री को उसे यह याद दिलाना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। इसी तरह हम यह दिखा सकते हैं कि हम सिर्फ एक इंडस्ट्री से कहीं अधिक हैं। यूजर्स भी अभिनेता सोनू के पोस्ट का सपोर्ट कर रहे हैं। राजपाल यादव 'सी कंपनी', 'भूल-भूलैया', 'अपना-सपना मनी-मनी', 'चुप-चुप के' जैसी 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अभिनेता ने सिर्फ कॉमेडी से नहीं, बल्कि गंभीर किरदारों से भी फैंस का दिल जीता है।

राजपाल यादव फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं, और जेल में सरेंडर करने से पहले उनके द्वारा कही गई भावुक बातें लगातार वायरल हो रही हैं। अभिनेता ने दुख जताते हुए कहा था कि 'क्या करें, पैसों की तंगी है, पैसा नहीं है, और कोई रास्ता भी नहीं समझ में आ रहा है। यहां कोई दोस्त है नहीं जो मदद कर सके।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, 'तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद। फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी। 1997 में फिल्म 'चाची 420' में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'लूडो', 'अजीब दास्तां', और 'सैम बहादुर' शामिल हैं।

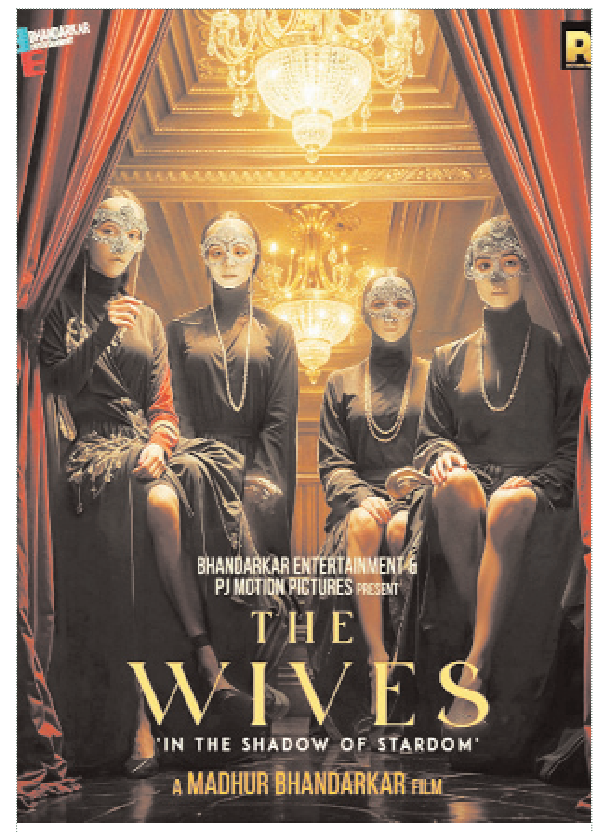

ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करती है 'द वाइव्स'

लगातार कई नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर मधुर भंडारकर, चांदनी बार, पेज 3, फैशन, हीरोइन, ट्रैफिक सिग्नल और बबली बाउंसर जैसी अपनी दमदार और सामाजिक सिनेमा के लिए मशहूर टैलेंटेड डायरेक्टर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग ऑफिशियली पूरी कर ली है। इस फिल्म में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं। 'द वाइव्स' के साथ, भंडारकर एक बार फिर बॉलीवुड के अंडरबेली की ओर अपना लेंस घुमाते हैं, ग्लैमर, पावर और पब्लिक परसेप्शन के पीछे मौजूद अनदेखी इमोशनल दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। इंसानी रिश्तों और सोशल डायनामिक्स की कच्ची सच्चाई को कैप्चर करने के लिए जाने जाने वाले, फिल्ममेकर एक ऐसी कहानी का वादा करते हैं जो इंटिमेट, लेयर्ड और बहुत रेलिवेंट है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, मधुर भंडारकर ने शेयर किया, ' 'द वाइव्स' एक ऐसी इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है। मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई।' पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है। उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है। 'द वाइव्स' बोल्ड, सोचने पर मजबूर करने वाली और इमोशनल रूप से ड्रिवन है, और मेरा मानना है कि यह उन ऑडियंस के दिल को छू जाएगी जो मीनिंगफुल सिनेमा पसंद करते हैं।'

सिनेमा जगत में वर्किंग शिफ्ट को लेकर अदिति राव हैदरी की दो-टूक

अदिति राव हैदरी फिल्मों में अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाती हैं। सोशल इश्यूज पर बनी फिल्में भी उन्होंने की हैं। असल जिंदगी में भी वह कई मुद्दों पर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में उन्होंने इंडस्ट्री में लंबे काम के घंटों पर अपना नजरिया बताया है।

एक्टर्स को भी अपनी देखभाल करनी होती है

वह आगे कहती हैं, 'फिलहाल मैं अपनी जिंदगी और अपने करियर के उस दौर में हूं, जहां जरूरत से ज्यादा घंटे काम कर रही हूं। लेकिन कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब सच में महसूस होता है कि एक्टर से अच्छा काम लेने के लिए उसको रिलैक्स रखना जरूरी होता है। हम मशीन नहीं हैं, हमारे अंदर फीलिंग्स हैं। हमारी देखभाल भी बहुत जरूरी है।'

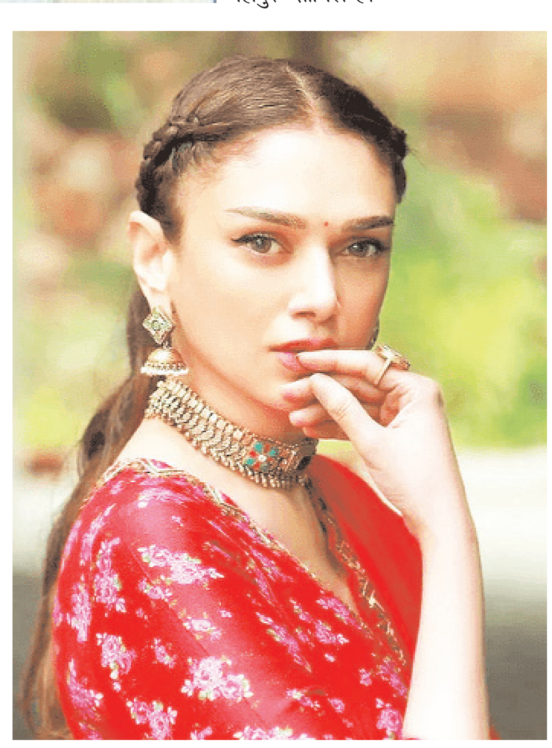

वोल्वाड्र्ट और खाका के दमदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी 20 में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में ली 2-0 की अजेय बढ़त

एजेंसी

बेनोनी : बेनोनी में शुक्रवार रात (भारतीय समयानुसार शनिवार)खेले गए वर्षा प्रभावित दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में लॉरा वोल्वाड्र्ट की नाबाद 40 रन की पारी और आयाबोंगा खाका की घातक गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। 14 ओवर प्रति पारी के इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को 100 रन पर नौ विकेट तक सीमित कर दिया। जवाब में मेजबान टीम ने 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 101 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका को ताजमिन ब्रिट्स और सुने लुस ने सधी हुई शुरूआत दिलाई। दोनों ने तेजी से 30 रन जोड़े, लेकिन सादिया इकबाल ने लुस को पगबाधा आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद भी ब्रिट्स और कप्तान लॉरा वोल्वाड्र्ट ने 36 रनों की साझेदारी कर रन गति को नियंत्रित रखा।

मध्य ओवरों में पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश करते हुए ताजमिन ब्रिट्स और डेन वान नीकेर्क के विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका को अंतिम चार ओवर में 30 रन की दरकार रह गई। हालांकि लॉरा वोल्वाड्र्ट ने संयम बनाए रखा और समझदारी भरी बल्लेबाजी से टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। उन्होंने मेरिजान कैप के साथ उपयोगी साझेदारी की, जबकि नादिन डी क्लर्क ने चौका लगाकर 13.2 ओवर में जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले वर्षा के कारण मुकाबला देर से शुरू हुआ। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नई गेंद से मेरिजान कैप ने मुनीबा अली को आउट किया, जबकि मसाबाता क्लास ने गुल फिरोजा और एमन फातिमा को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को संशोधित पावरप्ले में 28 रन पर तीन विकेट के संकट में डाल दिया। एक रन आउट ने स्थिति और कठिन कर दी। मध्य ओवरों में कायला रेनेके और नोनकुलुलेको म्लाबा ने भी किफायती गेंदबाजी की। अंत में आयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की पारी पर निर्णायक प्रहार किया। आखिरी तीन ओवरों में 22 रन जरूर जुड़े, लेकिन 100 रन का स्कोर दक्षिण अफ्रीका के सामने पर्याप्त साबित नहीं हुआ।

संक्षिप्त स्कोर:

- ✔ पाकिस्तान 100/9 (14 ओवर)- आलिया रियाज 20; आयाबोंगा खाका 3/10, मसाबाता क्लास 2/14
- ✔ दक्षिण अफ्रीका 104/4 (13.2 ओवर) झ लॉरा वोल्वाड्र्ट 40*, ताजमिन ब्रिट्स 29; सादिया इकबाल 2/15।
- ✔ दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट से मुकाबला जीतकर श्रृंखला अपने नाम कर ली।

सेरी एः लुका मोड्रिच के विजयी गोल से एसी मिलान ने पीसा एससी की 2-1 से हराया

एजेंसी

पीसा : इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सेरी ए में लुका मोड्रिच ने 85वें मिनट में निर्णायक गोल कर एसी मिलान को निचले पायदान की टीम पीसा एससी पर 2-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ मिलान ने अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से अंतर कम कर लिया। मुकाबला एरीना गैरीबाल्डी स्टेडियम में खेला गया। 24 मैचों में 53 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिलान अब इंटर से पांच अंक पीछे है। इंटर शनिवार को चौथे स्थान की टीम जुवेंटस की मेजबानी करेगा। मिलान के लिए रूबेन लॉफ्टस-चीक ने भी गोल किया। हालांकि टीम को एड्रियन राबियो को दूसरे पीले कार्ड के कारण लाल कार्ड मिलने से अंत में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। पीसा के लिए फेलिपे लोयोला ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया था। मिलान को पेनल्टी का अवसर भी मिला, लेकिन निक्लास फुलक्रुग स्पॉट किक को गोल में तब्दील नहीं कर सके। 40 वर्षीय मोड्रिच ने अंततः मैच के अंतिम पांच मिनट में बॉक्स के अंदर मिले मौके को गोल में बदलकर टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। मिलान ने 39वें मिनट में बढ़त बनाई, जब जैचरी एथेकामे के दाएं छोर से आए शानदार क्रॉस पर लॉफ्टस-चीक ने हेडर से गेंद को जाल में पहुंचाया। 71वें मिनट में लोयोला ने 12 मीटर की दूरी से सटीक शॉट लगाकर पीसा को बराबरी दिलाई, जो क्लब के लिए उनका पहला गोल था। हार के बाद पीसा 25 मैचों में 15 अंकों के साथ निचले स्थान पर बना हुआ है और सुरक्षित क्षेत्र से छह अंक पीछे है।

मप्रः मुख्यमंत्री आज 1.25 लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे योजना की 1836 करोड़ रुपये की राशि

पंधाना में 600 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण- भूमिपूजन भी करेंगे

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को खंडवा जिले के पंधाना से प्रदेश की 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 600 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण- भूमिपूजन भी करेंगे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी रत्ना शर्मा ने बताया कि पंधाना में ह्लमुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनाह्न के तहत शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव योजना की हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक के माध्यम से माह फरवरी 2026 की राशि ट्रांसफर करेंगे। प्रदेश की लगभग 1.25 करोड़ बहनों के खातों में 1800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। योजना में अब तक लाड़ली बहनों को 52,304 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है। जनसम्पर्क अधिकारी बृजेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 255 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं 354 करोड़ रुपये 11 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। विशिष्ट रूप से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 252 करोड़ रुपये लागत से निर्मित होने वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना, 2.90 करोड़ रुपये लागत से निर्मित होने वाले पंधाना बस स्टैण्ड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन करेंगे।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज बुरहानपुर को देंगे 696.37 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

– 32 कार्यों का लोकार्पण और 48 कार्यों का होगा भूमि–पूजन, जीजामाता चौराहा से नेहरू स्टेडियम तक रोड–शो में होंगे शामिल

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले को 696 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों की सौगात देंगे। जनसम्पर्क अधिकारी आशा उइके ने बताया कि बुरहानपुर के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 334 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत के 32 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 362 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत के 48 कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इन विकास कार्यों में अधोसंरचना, जनसुविधा, कृषि एवं अन्य विभागों से संबंधित परियोजनाएँ शामिल हैं, जो जिले के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार जिले में आगमन के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो शिकारपुरा थाना क्षेत्र के जीजामाता चौराहा से नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर तक आयोजित रहेगा। इस दौरान जिलेवासियों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद नेहरू स्टेडियम में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर कृषि, उद्यानिकी एवं अन्य विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें शासन की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में 16 फरवरी के बाद बदलेगा मौसम, छाएंगे बादल, अभी दिन में गर्मी तो रात में ठंड बरकरार

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में 16 फरवरी के बाद मौसम एक बार फिर कर-वट ले सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के प्रभाव से प्रदेश में बादल छाने की संभावना है। इसके साथ ही हल्की सर्दी देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण कुछ जिलों में हल्के बादल छाए हुए हैं। 16 फरवरी से एक नया सिस्टम पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से प्रदेश में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी और अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। सिस्टम के गुजरने और बर्फ पिघलने के बाद मौसम में फिर बदलाव संभव है। प्रदेश में हल्की सर्दी का एक और दौर देखने को मिल सकता है। राजधानी भोपाल और इंदौर सहित कई शहरों में दिन

के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जबकि पचमढ़ी, खजुराहो और कटनी में रातें अब भी ठंडी बनी हुई हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फरवरी में दिन गर्म और रातें ठंडी रहने का यही ट्रेंड जारी रहेगा। तेज सर्दी या घने कोहरे की संभावना नहीं है। बीते शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, बैतूल, धार, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, रतलाम, दमोह, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, सागर और सिवनी में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। खंडवा में सबसे अधिक 33.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ।

रात में इन शहरों में रही ज्यादा ठंड

अधिकांश शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। शुक्रवार-शनिवार की रात कटनी के करौंदी में सबसे कम 8.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पचमढ़ी में 9.2 डिग्री, खजुराहो में 10.4 डिग्री, राजगढ़ में 10.6 डिग्री, मंदसौर में 10.7 डिग्री, नौगांव और रीवा में 10.8 डिग्री तथा उमरिया में 10.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। पांच बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों में इससे अधिक तापमान रहा। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि 15 फरवरी को कुछ जिलों में हल्का कोहरा रह सकता है। बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। दिन में बादल छा सकते हैं। इसी तरह 16 फरवरी को भी कुछ स्थानों पर हल्का कोहरा रहेगा, दिन में बादल छाए रहेंगे।

सीवान में अवैध हथियार के साथ तीन अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़े

सीवान : बिहार में सीवान के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छोटूपुर बाइपास के पास से शुक्रवार की शाम पुलिस ने अवैध हथियार के साथ तीन प्लाटरों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान उनके पास से एक देसी कट्टा, दो गाड़ियां और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। गिरफ्तार जिले के जीरादेई थाने के ठेपहा निवासी राजदेव शर्मा के पुत्र विशाल, मैरवा थाने के फुलवरिया के निवासी नागेंद्र पटेल के पुत्र रवि रंजन पटेल और मुफ्फसिल थाने के रामापाली निवासी सुभाष यादव के पुत्र नीतीश कुमार शामिल हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कब्जे वाले ठिकानों पर कब्जा कर लिया। पुलिस वाहनों को देखने में ही तीन अलग-अलग आंकड़े लगे, लेकिन उपलब्ध बल की सहायता से उनकी घेराबंदी कर ली गई। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद जांच की गई और निशानदेही के पास से 01 देसी कट्टा, 02 गाड़ियां और 03 मोबाइल बरामद किए गए।
पुलिस के गिरफ्तार आरोपी किशोर शर्मा के खिलाफ पूर्व में भी मामला दर्ज किया गया है। जीरादेई थाना कांड संख्या 272/15 एवं मैरवा थाना कांड संख्या 136/25 में विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज है।

उत्तर गुवाहाटी-गुवाहाटी संपर्क पुल के साथ कई अन्य पुलों का होगा उद्घाटनः मुख्यमंत्री हिमंत

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि उत्तर गुवाहाटीझ्रगुवाहाटी को जोड़ने वाले नए पुल के उद्घाटन के साथ-साथ राज्य में कई अन्य महत्वपूर्ण पुलों और फ्लाईओवरों का भी शीघ्र उद्घाटन किया जाएगा। मुख्यमंत्री बीती रात एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मार्च माह में भरलुमुख फ्लाईओवर, चांदमारीझ्रनूनमाटी फ्लाईओवर, डिफू फ्लाईओवर, लंका फ्लाईओवर तथा जोरहाट फ्लाईओवर जनता को समर्पित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

डॉ. सरमा ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र आगामी समय में असमवासियों को कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की सौगात देंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहा है और आने वाले दिनों में इसका सकारात्मक प्रभाव प्रदेश के समग्र विकास पर दिखाई देगा।

पंजाब, बंगाल और असम की लड़कियों को सारण पुलिस ने आर्केस्ट्रा के नरक से निकाला

एजेंसी

सारण : पुलिस ने मानव तस्करी और नाबालिगों के शोषण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 नाबालिग लड़कियों को आर्केस्ट्रा संचालकों के चंगुल से मुक्त कराया है। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के विभिन्न आर्केस्ट्रा केंद्रों पर छापेमारी की गई। यह कार्रवाई राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पत्र के आलोक में की गई। एसएसपी के निर्देश पर महिला थाना पुलिस और विशेष टीम ने रिविलगंज एवं कोपा थाना अंतर्गत चिन्हित आर्केस्ट्रा ठिकानों की विधिवत घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, इन लड़कियों को प्रताड़ित कर जबरन नृत्य और अन्य अनैतिक कार्यों में धकेला गया था। मुक्त कराई गई 15 नाबालिग लड़कियों में पंजाब से चार, पश्चिम बंगाल से चार, बिहार से तीन, ओडिशा से दो, उत्तर प्रदेश से एक और असम से एक लड़की शामिल है। इन सभी को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है और इनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में कोपा थाना क्षेत्र के दीपक कुमार यादव, हरिशंकर मांझी, संजीत कुमार मांझी, गोविन्द कुमार यादव और रिविलगंज थाना क्षेत्र के संदीप यादव, विनय ठाकुर व मोहित कुमार शामिल हैं। महिला थाना में मामला दर्ज कर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बनें रजनीश सिंह बघेल

एजेंसी

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ निर्वाचन वर्ष 2026झ्र2028 के चुनाव में रजनीश सिंह बघेल ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। युवा अध्यक्ष के हाथ हाईकोर्ट बार की कमान आने से युवा अधिवक्ताओं में भारी उत्साह है। रजनीश सिंह बघेल ने वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव श्रीवास्तव को 137 वोटों के अंतर से पराजित किया। वहीं सचिव पद पर अनिल त्रिपाठी निर्वाचित हुए हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव में 17 पदों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था, जिसमें 61 प्रत्याशी मैदान में थे। अध्यक्ष पद के लिए 7 दावेदारों के बीच मुकाबला था। उपाध्यक्ष (वरिष्ठ)

पद पर 6 और उपाध्यक्ष (महिला) पद पर 4 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई। सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष समेत अन्य पदों पर भी कांटे की टक्कर रही। कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 16 उम्मीदवार मैदान में थे। 2026झ्र2028 कार्यकाल के लिए 1419 मतों में से 1214 वोट पड़े।मतदान के बाद शुक्रवार को मतपेटियां खोली गईं और सुबह 11 बजे से मतगणना शुरू हुई। मतगणना के बाद परिणाम देर शाम तक घोषित किए गए। शुक्रवार को देर शाम घोषित किए परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद पर के बाद रजनीश सिंह बघेल विजयी रहे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गौतम खेत्रपाल और महिला उपाध्यक्ष के रूप में माण्डवी भारद्वाज निर्वाचित हुईं। सचिव पद पर अनिल त्रिपाठी, सह सचिव के रूप में विजय कुमार साहू तथा महिला सह सचिव के रूप में आस्था शुक्ला चुनी गईं। कोषाध्यक्ष पद पर हर आशा पूरन सिंह भाटिया ने जीत दर्ज की।ग्रंथालय सचिव राहुल कुमार मिश्रा बने, जबकि क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (वरिष्ठ) अमन पाण्डेय और क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (महिला) प्रज्ञा पाण्डेय निर्वाचित हुईं। सात कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ।ग्रंथालय सचिव राहुल कुमार मिश्रा चुने गए , जबकि क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (वरिष्ठ) अमन पाण्डेय और क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सचिव (महिला) प्रज्ञा पाण्डेय निर्वाचित हुईं। सात कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्वाचन हुआ।

सारण में मटकोर की रस्म के साथ बाबा भोलेनाथ के विवाह की तैयारी तेज

एजेंसी

सारण : महाशिवरात्रि के पूर्व बाबा भोलेनाथ के विवाहोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। शहर के मनोकामनाथ मंदिर में चल रहे विशेष उत्सव के क्रम में, बाबा के तिलक उत्सव के पश्चात बीती रात पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कथा मटकोर का आयोजन श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। मनोकामनाथ मंदिर समिति के संरक्षक एवं पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अरुण सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सनातन परंपरा में विवाह से पूर्व मटकोर की रस्म का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए मंदिर परिसर में कथा मटकोर का आयोजन हुआ। उन्होंने ने बताया

कि इस आयोजन की खास बात यह रही कि इसमें शहर के हर वर्ग और समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विशेष रूप से महिलाओं ने इस रस्म में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने मंगल गीत गाए और मटकोर की रस्म के दौरान गाए जाने वाले विशेष लोक गीतों से वातावरण को शिवमय बना दिया। हल्दी और मटकोर की रस्मों के दौरान पूरा मंदिर परिसर बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। डीजे की रंग-बिरंगी रोशनी और भक्तिमय गीतों की धुनों पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी शिवभक्ति में रंगे नजर आए।महिलाओं और बच्चों ने भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया। आधुनिकता और परंपरा के इस संगम ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर डॉक्टर राकेश सिंह ने कहा कि बाबा भोलेनाथ का विवाह पूरे शहर के लिए उत्सव का विषय है। मटकोर की यह रस्म हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है, जिसमें पूरा समाज एक सूत्र में बंधकर खुशिया मना रहा है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन बाबा की भव्य बारात निकाली जाएगी, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं।

बाबा जागेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर होगा भव्य आयोजन

कानपुर : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सनवाबगंज स्थित प्राचीन बाबा जागेश्वर मंदिर में इस वर्ष भी भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्री जागेश्वर महादेव प्रबंधक सभा के महामंत्री प्राण श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि बीते कई वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी बाबा का विशेष श्रृंगार एवं विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे, जिन्हें देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महामंत्री ने बताया कि महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या शनिवार को गणेश विवाह, हल्दी-मेहंदी, बन्ना-बन्नी, शिव विवाह प्रसंग, बधाई गीत सहित पारंपरिक धार्मिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर पिछले 12 वर्षों की भांति इस वर्ष भी लगभग एक हजार महिलाएं सोलह श्रृंगार कर मंदिर प्रांगण में एकत्रित होंगी। महिला मंडल की ओर से माता की मेहंदी, बाबा की हल्दी एवं विशेष श्रृंगार की रस्में संपन्न कराई जाएंगी। पूजन के उपरांत भोग अर्पित किया जाएगा।
शाम 7 बजे बाबा जागेश्वर की भव्य महाआरती होगी, जिसमें महिलाएं अपने-अपने घरों से पांच-पांच दीपक लाकर आरती में सहभागी बनेंगी। सभा के अनुसार सुसज्जित थालियों के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने वाली श्रद्धालुओं में से सुंदर एवं सृजनात्मक थाली सजाने वाली महिलाओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं पुष्प सजावट से सुसज्जित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कमेटी के महामंत्री प्राण श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रोहन, संयोजक जीतू पांडे तथा महिला मंडल की ओर से श्वेता, सीमा और सीखा सोनी ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

न्यूज IN ब्रीफ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर और रायगढ़ जिले के दौरे पर

रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जशपुर और रायगढ़ जिले के दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 10:45 बजे को रायपुर हेलीपेड से जशपुर के लिए रवाना होंगे। सीएम जशपुर के ग्राम सिरिमकेला में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वह दोपहर 2:45 बजे पर जशपुर के कुनकुरी पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री शाम 4:20 बजे कुनकुरी से रायगढ़ जिले के लिए रवाना होंगे। वहीं वे शाम 5:20 बजे अष्टभुजी महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन करेंगे। सर्किट हाउस रायगढ़ में ही सीएम रात्रि विश्राम करेंगे।

दांतन के जर्जर ऑडिटोरियम के जीर्णोद्धार को साढ़े 12 लाख की मंजूरी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के दांतन दो नंबर ब्लॉक अंतर्गत खड़रुई क्षेत्र में वाम शासनकाल से जर्जर हालत में पड़े ऑडिटोरियम के जीर्णोद्धार के लिए राशि मंजूर कर दी गई है। राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने खड़रुई स्थित ऑडिटोरियम के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य के लिए लगभग साढ़े 12 लाख रुपये की राशि आवंटित की है। शुक्रवार शाम को यह जानकारी दांतन-दो ब्लॉक पंचायत समिति के कार्याध्यक्ष तथा ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष शेख इफ्तेखार अली ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि लंबे समय से यह ऑडिटोरियम बदहाल स्थिति में पड़ा था, जिसके कारण स्थानीय लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक और सरकारी कार्यक्रमों के आयोजन में असुविधा हो रही थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2008 के आसपास वाम शासनकाल में ह्यखुदीराम स्मृति भवनह्ण नाम से लगभग 300 सीटों वाला यह प्रेक्षागृह शुरू किया गया था। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद देखरेख के अभाव में भवन जर्जर होता चला गया। क्षेत्रवासियों की मांग थी कि भवन का पुनरुद्धार कर इसे पुनः उपयोग योग्य बनाया जाए। इस संबंध में स्थानीय प्रशासन ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा था।

शुक्रवार को दांतन दो नंबर ब्लॉक के बीडीओ अभिरूप भट्टाचार्य, पंचायत समिति के वन एवं भूमि विभाग के कार्याध्यक्ष शेख इफ्तेखार अली सहित अन्य अधिकारियों ने ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र ही मरम्मत कार्य प्रारंभ किया जाएगा। राशि स्वीकृत होने से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि ऑडिटोरियम के पुनः संचालित होने से सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

एसएसपी गौरव सिंह का आधी रात को ठियोग थाने व चौकियों का औचक निरीक्षण

शिमला : शिमला जिले में पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव सिंह ने शुक्रवार देर रात औचक निरीक्षण कर अपनी सक्रिय कार्यशैली का संकेत दिया। एसएसपी ने आधी रात को ठियोग थाना और उसके अधीन आने वाली पुलिस चौकियों का अचानक दौरा किया तथा वहां की कार्यप्रणाली का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में घटित अपराधों की समीक्षा की और लंबित मामलों की प्रगति की जानकारी ली। विशेष रूप से मादक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत दर्ज मामलों की कार्रवाई का निरीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में नशे के कारोबार को समाप्त करना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा और इसके लिए निरंतर अभियान चलाया जाएगा। रात्रि गश्त की व्यवस्था का भी औचक निरीक्षण किया गया। एसएसपी ने गश्ती दलों को सतर्कता और प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि अपराधों पर समय रहते नियंत्रण किया जा सके। निरीक्षण के दौरान थाना ठियोग से संबंधित स्थानीय समस्याओं को भी सुना गया और तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए गए, ताकि क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था और मजबूत हो सके। गौरव सिंह ने निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मचारियों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें ईमानदारी तथा जिम्मेदारी के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और इसके लिए हर स्तर पर पारदर्शी तथा सक्रिय कार्यशैली अपनाई जानी चाहिए। बता दें कि हाल ही में एसएसपी शिमला का कार्यभार संभालने वाले गौरव सिंह पहले दिन से ही सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे इससे पहले सोलन और कुल्लू में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य कर चुके हैं, जहां उनकी तेजतर्रार और सख्त कार्यशैली की सराहना की जाती रही है।

गांधी की पत्रकारिता सिर्फ राजनीतिक नहीं, सामाजिक-सांस्कृतिक और भविष्य की भी हैः रामबहादुर राय

भोपाल : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र न्यास के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने कहा कि ह्लसमग्र भारतीय पत्रकारिताह्न किताब के दूसरे खंड को जरूर पढ़ना चाहिए, क्योंकि इसमें 40 साल की पत्रकारिता का जिक्र किया गया है। इस खंड में बताया गया है कि तिलक युग समाप्त हो रहा है और गांधी की पत्रकारिता शुरू हो रही है। गांधी की पत्रकारिता सिर्फ राजनीतिक नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और भविष्य की भी है। वरिष्ठ पत्रकार राय शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में ह्यसमग्र भारतीय पत्रकारिताह्ण किताब के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के कलानिधि विभाग द्वारा वरिष्ठ पत्रकार-लेखक विजयदत्त श्रीधर की महत्त्वपूर्ण पुस्तक ह्यसमग्र भारतीय पत्रकारिताह्ण का लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए अध्यक्ष रामबहादुर राय ने की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री व्योमेश शुक्ला तथा अन्य विद्वानों ने विचार रखे। स्वागत भाषण कलानिधि विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) रमेश चंद्र गौड़ ने दिया। संचालन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रो. कृपाशंकर चौबे ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री से हुआ। वरिष्ठ पत्रकार अंकित शुक्ला ने राज्यसभा उप सभापति हरिवंश का संदेश पढ़ा, जिसमें उन्होंने भारतीय और पश्चिमी पत्रकारिता के अंतर पर प्रकाश डाला।

अध्यक्षीय वक्तव्य में वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय ने पुस्तक के दूसरे खंड (1881-1920) को विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसमें बाल गंगाधर तिलक से महात्मा गांधी युग के संक्रमण की पत्रकारिता का विस्तृत चित्रण है। उन्होंने श्री अरबिंदो का उद्धरण देते हुए कहा कि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य समय की सबसे बड़ी चुनौती पहचानना और समाधान के लिए सक्रिय होना है। वरिष्ठ पत्रकार व माखनलाल चतुर्वेदी के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र ने कहा कि इस किताब के द्वारा उन पहलुओं को छूना है, जिससे बहुत सारे लोग आज भी अनभिज्ञ हैं। पत्रकारिता का एक बड़ा इतिहास रहा है और उन इतिहास को पूरे संदर्भ के साथ रखना इस किताब की विशेषता है। इस किताब में जिन पहलुओं को छुआ गया है,वह सिर्फ पत्रकारिता का विषय ही नहीं है, बल्कि इसमें तत्कालीन समाज, संस्कृति, राजनीति सभी का मिश्रण है.

न्यूज IN ब्रीफ

संजय कुमार बने संथाल परगना प्रमंडल के नए कमिश्नर

दुमका : संजय कुमार (भा.प्र.से.) ने शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना का प्रभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उपायुक्त, दुमका अभिजीत सिन्हा ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।
प्रभार ग्रहण करने के उपरांत आयुक्त ने प्रमंडलीय कार्यालय के विभिन्न कार्यायलयों का अवलोकन किया तथा एवं कर्मियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति, प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली।
इस मौके पर आयुक्त श्री कुमार ने कहा कि संथाल परगना प्रमंडल का सर्वांगीण विकास, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया।
इस दौरान आयुक्त के सचिव अमित कुमार, उप परिवहन आयुक्त शैलेन्द्र रजक, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी विभूति मण्डल, उप निदेशक जनसम्पर्क रोहित कन्डुलना एवं अन्य उपस्थित थे।

टाटानगर-आसनबनी के बीच दो आरओबी का निर्माण अब रेलवे करेगा

जमशेदपुर : टाटानगर-आसनबनी सेक्शन में गोविंदपुर (समपार 137) और बारीगोड़ा (समपार 138) रेलवे फाटकों पर बनने वाले रोड ओवर ब्रिज अब 100 प्रतिशत रेलवे खर्च से बनाए जाएंगे। सांसद विद्युतवरण महतो ने बताया कि पहले यह परियोजना 50:50 लागत साझेदारी पर प्रस्तावित थी, लेकिन विलंब और बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए रेलवे ने एकल एजेंसी के रूप में निर्माण का निर्णय लिया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह व्यस्त रेलखंड पर जाम और परिचालन बाधाओं को कम करेगा। मकदूमपुर गेट के पास प्रस्तावित आरओबी फिलहाल विचाराधीन है।

एसएसएलएनटी स्कूल में 10वीं बोर्ड छात्राओं को मिली विदाई

धनबाद : एसएसएलएनटी सीएम एसओई गर्ल्स हाईस्कूल धनबाद में शुक्रवार को 10वीं कक्षा की छात्राओं को विदाई दी गई। प्राचार्य अंजना महतो ने जीवन के नए सफर पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। गणित शिक्षक प्रभात कुमार और अंकिता कुमारी बोर्ड परीक्षा के लिए स्टेप मार्किंग की तकनीक समझाते हुए बताया कि गणित में हर सही चरण के अंक मिलते हैं। इसलिए छात्राओं को प्रश्नों को हल करने का पूरा प्रयास करना चाहिए। शिक्षक पुनीता झा, नागेंद्र कुमार, गिरीश कुमार सांडल, रूपनाथ गोराई, बिजय बनर्जी, सूरज ठाकुर, सुधा, ज्योति, कंचन, नीतू, अंजलि, मौसमी समेत अन्य ने विभिन्न टिप्स देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चित्रांकन, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भोजपुर: आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी भोजपुर के कला प्रेक्षागृह में इको क्लब फॉर मिशन लाईफ के अंतर्गत चित्रांकन, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया। छात्राओं में बेहतर सृजनशीलता विकसित हो व समाज में एक संदेश जाए इसलिए विषय पर्यावरण संरक्षण रखा गया था। तकरीबन 30 चुनिंदा छात्राओं ने चित्र प्रतियोगिता में हिस्सा ले रंग और संयोजन के साथ लकिरो से खुब खेलीं। इस अवसर पर चित्रों का अवलोकन करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने छात्राओं के बीच विषय के प्रसांगिकता को लेकर संबोधित किया। अपने सारगर्भित संबोधन में श्री राय ने कहा कि बाल चित्र में सहज अभिव्यक्ति होती है,जहां छात्र-छात्राओं में मौलिक खाका के रूपाकारों के प्रति सहज समझ साफ दिख जाता है। छात्राओं के इस प्रयास का सराहना करते हुए बोले चित्र संस्कृति का हिस्सा होता है जहां हम खुद को व्यक्त करते हैं। चित्रों का मूल्यांकन मनोविज्ञान शिक्षिका रिंकल कुमारी, गणित शिक्षिका रिंकी कुमारी, प्रति कुमारी ने सामूहिक रूप से किया। चित्रों में ज्यादातर सापाट रंगों का प्रयोग हुआ था जहां लकिरो में सहज और स्वाभाविक स्फूर्ति के साथ कलात्मक रूचि दिख रहा था। वरिष्ठ शिक्षक प्रमोद कुमार, सुकेश कुमार, मनोज कुमार, सुनित त्रिपाठी के साथ सुभांशू शर्मा ने बारी बारी से चित्रों का अवलोकन किया। अपने अवलोकन क्रम में विषय और बाल चित्र शैली पर संबोधन करते हुए बोले अभिव्यक्ति का सबसे मौलिक विचार चित्रों में दिख जाता है, जहां सामाजिक परिवर्तन के साथ विद्यालय गतिविधि व सौंदर्य दर्शन इन चित्रों का हिस्सा है। चित्र में प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया अंजली सिंह, द्वितीय सोनम कुमारी, तृतीय मुस्कान कुमारी हासिल किया। निबंध प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम रौशनी खातुन, द्वितीय किरण कुमारी, तृतीय रागिनी कुमारी ने हासिल किया। यह एक जागरूकता कार्यक्रम था जहां छात्राओं में बहुत ही उत्साह देखा गया। कार्यक्रम संयोजित चित्रकार रौशन राय ने किया था। अपने संबोधन में श्री ने कहा चित्र संयोजन जीवन का हिस्सा होता है, जहां कलागत समग्रता चित्र के रंग-रोगन में स्पष्ट देखा जा सकता है। छात्राओं में असीम संभावनाएं हैं बस उन्हें सामने लाना जरूरी है। इस प्रतियोगिता में शामिल छात्राओं में मुख्य अनुष्का, काजल कुमारी, ज्योति कुमारी, सलोनी कुमारी, अंजुम कुमारी,निशा कुमारी,पायल कुमारी आदि।

डीसी व एसपी ने महाशिवरात्रि के पर निकलने वाले शिवबारात रूटलाईन का किया निरीक्षण

संवाददाता

देवघर : महाशिवरात्रि के अवसर पर पर्यटन विभाग द्वारा निकाली जाने वाली शिवबारात के सफल संचालन को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक सौरभ द्वारा शिव बारात रुटलाइन में विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यस्थाओं व की जाने वाली तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने के0के0एन0 स्टेडियम में शिव बारात हेतु किये जा रहे तैयारियों के अलावा रूटलाईन यथा- के0के0एन0 स्टेडियम, फव्वारा चौक, टावर चौक, आजाद चौक, अवंतीका गली, लक्ष्मी मार्केट, फव्वारा चौक, शिक्षा सभा चौक आदि में शिवबारात हेतु की जा रही विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों के अलावा पथ में पड़ने वाले सभी सभी गड्ढों को समतल करने, स्लैब की मरम्मति, अतिक्रमण, नालों की साफ-सफाई के साथ सड़कों के किनारे सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेरिकेडिंग से जुड़े किए गए कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों दिया, ताकि महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव बारात के रूप में निकलने वाली झाँकियों को किसी प्रकार की समस्या न हो।
निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा हेतु नगर निगम, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, अग्निशमन विभाग, बिजली विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के एक्टिव रहने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाईयों का सामना न करना पड़े। साथ हीं संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि सम्पूर्ण रूटलाईन का चौबिस घंटे पहले निरीक्षण कर केबल के तारों के

अतिरिक्त बिजली या टेलिफोन के तार का भौतिक सत्यापन कर लें, ताकि किसी प्रकार की कोई कमी न रहे। आगे निरीक्षण के क्रम में विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था के अलावा विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों, कार्यपालक अभियंता व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक द्वारा भव्य शिवबारात हेतु साज सज्जा और लाइटिंग के कार्यो का अवलोकन किया गया। आगे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने शिवबारात के दौरान भीड़ में निगरानी को लेकर विभिन्न स्थलों (टावर चौक, फव्वारा चौक, राय एंड कंपनी चौक, शिवलोक, बजरंगी चौक, बाजला चौक) पर वॉचटावर निर्माण कराने का निर्देश दिया, ताकि वॉचटावर से पुलिस के जवान भीड़ में होने वाली गतिविधियों के साथ असामाजिक तत्वों पर नजर रख सके। साथ ही शिवबारात में विशेष निगरानी को लेकर सिविल ड्रेस में पुलिस के जवानों व पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया है।
मौके पर नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी शैलश प्रियदर्शी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी देवघर अशोक कुमार, ट्रैफिक डीएसपी, हेडक्वार्टर, जिला खेल पदाधिकारी श्री संतोष कुमार, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल देवघर, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, नगर निगम की टीम संबंधित विभाग अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

पांच दिवसीय प्रथम सोपान गाइड प्रशिक्षण सह जांच शिविर संपन्न

संवाददाता

दुमका : जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड दुमका भूतनाथ रजवार के निदेर्शानुसार भारत स्काउट एवं गाइड दुमका द्वारा संत टेरेसा बालिका उच्च विद्यालय दुधानी में संचालित पाँच दिवसीय प्रथम सोपान गाइड प्रशिक्षण सह जाँच शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। शिविर में शिविर प्रधान सह गाइड प्रशिक्षक आग्नेश आभा कुजूर एवं शिविर सहायक अनुराग नन्दन,गुलशन विश्वकर्मा,हरिमोहन एवं अनुप्रिया मराण्डी द्वारा शिविर अवधि में गाइडों को स्काउटिंग के विविध कौशलों का प्रशिक्षण देकर विभिन्न कौशलों का जांच किया गया। समापन समारोह में उपस्थित गाइड्स को संत टेरेसा बालिका उच्च विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर आशा तेरेसा भेंगरा ने संबोधित करते हुए कहा कि स्काउटिंग का प्रशिक्षण जीवन मे बहुत काम आता है।सिस्टर ने कहा कि स्काउट गाइड समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा के लिए हमेशा समर्पित रहते हैं।जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने बताया कि स्काउटिंग में स्काउट गाइड को रोजगारोन्मुखी एवं जीवन उपयोगी विविध कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने बताया कि प्रथम सोपान के 6 माह बाद स्काउट गाइड द्वितीय सोपान के जाँच शिविर में भाग ले सकते हैं।जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार,जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष हेम्ब्रम, संत टेरेसा बालिका उच्च विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर आशा तेरेसा भेंगरा ,भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के वरीय उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, उपसभापति डॉ0 अजय कुमार गुप्ता, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ0 दिलीप कुमार झा, जिला सचिव विजय कुमार दूबे,कोषाध्यक्ष मानुवेल सोरेन,जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार,सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भू नाथ मिश्रा के अलावे स्काउट गाइड परिवार के सभी सदस्यों ने शिविर में भाग लेने वाली सभी गाइड्स को शुभकामनाएं दी है।पूरे शिविर अवधि में संत तेरेसा बालिका उच्च विद्यालय के शिक्षक अन्ना लकड़ा,बादल मय झा,वंदना श्रीवास्तव,प्रभा तिर्की, एमी सुस्सना मराण्डी,जय प्रकाश महतो,जोशलीना हांसदा, सुनीता हांसदा, विक्टोरिया मुर्मू,ज्योत्सना किस्कू एवं श्यामकांत प्रसाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसएससी की परीक्षा में ब्लूटुथ डिवाइस से नकल, सेंटर मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

धनबाद : एसएससी (स्टाफ सेलेक्शन कमिशन) एमटीएस परीक्षा में ब्लूटुथ डिवाइस से कनेक्ट स्पाई ईयरपीस से कदाचार करते हुए दो अभ्यर्थी पकड़े गए। मामले में पुलिस ने रजिस्ट्रेशन मैनेजर की भी संलिप्तता बताते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामला गोविंदपुर थाना क्षेत्र के भुईंफोड़ मंदिर के पास स्थित मिनेरवा डिजिटल परीक्षा केंद्र का है। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने प्रेस वार्ता कर बताया कि मिनेरवा डिजिटल में ऑनलाइन परीक्षा संचालित हो रही थी। परीक्षा के दौरान गुरुवार को सेंटर को-ऑर्डिनेटर अंबिका प्रसाद ने जानकारी दी कि परीक्षा की तृतीय पाली में कुछ अभ्यर्थी तकनीकी उपकरणों का प्रयोग कर कदाचार कर रहे हैं।
सूचना पर तुरंत गोविंदपुर थाना की पुलिस परीक्षा केंद्र पहुंची और कदाचार में संलिप्त दो अभ्यर्थियों रौनक कुमार, रामचंद्रपुर, थाना पिपरिया, जिला लखीसराय, बिहार एवं बिटू कुमार, कोचगांव, थाना वारसलीगंज, जिला लखीसराय, बिहार को पकड़ लिया। जांच के दौरान दोनों के पास से दो तकनीकी उपकरण (स्पाई ईयरपीस ब्लूटुथ डिवाइस के साथ) बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान दोनों अभ्यर्थियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। साथ ही बताया कि परीक्षा केंद्र के कर्मचारी (रजिस्ट्रेशन मैनेजर) सारे थाना जिला नालंदा बिहार के रहने वाले शशि कुमार ने कदाचार में प्रयोग किए गए तकनीकी उपकरणों को केंद्र पर ही उपलब्ध कराया। बताया कि केंद्र के बाहर सोल्वर प्रश्नों के उत्तर बता रहे थे। पकड़े गए अभ्यर्थियों ने बताया कि गिरोह में कई अन्य लोग भी शामिल हैं।
आठ लाख में बनी बात, 2.5 लाख का अग्रिम भुगतान सिटी एसपी ने बताया कि पूछताछ में बात सामने आई है कि इसमें अंतरराज्यीय गिरोह सक्रिय है। बताया कि रजिस्ट्रेशन मैनेजर ने कदाचार में सहयोग करने के लिए गिरोह के सदस्यों से प्रति अभ्यर्थी आठ लाख रुपए की मांग की थी। 2.5 लाख रुपए अग्रिम के रूप में भुगतान किया गया था। सिटी एसपी ने कहा कि गिरफ्तार रजिस्ट्रेशन मैनेजर शशि कुमार के मोबाइल की जांच करने पर व्हाट्सएप में कई संदिग्ध चैट, अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र एवं लेन-देन से संबधित तथ्य पाए गए हैं। कई अहम सबूत हाथ लगे हैं। इसी के आधार पर गोविंदपुर थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। कांड में संलिप्त अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन कर छापेमारी की जा रही है। 13 तक परीक्षा शेड्यूल भुईंफोड़ मंदिर के पास धनबाद पब्लिक स्कूल रोड में संचालित मिनेरवा डिजिटल परीक्षा केंद्र में 13 तक एग्जाम का परीक्षा शेड्यूल है।

हिजला मेला प्राचीनता तथा आधुनिकता का अद्भुत संगम है : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : मयूराक्षी नदी के पावन तट पर 13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव-2026 का शुभारंभ अद्भुत उत्साह और भावनात्मक गरिमा के साथ किया गया। प्रकृति की गोद में बसे इस मेले ने एक बार फिर जनजातीय परंपराओं, आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया।
उद्घाटन से पूर्व निकाला गया उल्लास जुलूस मानो जनजातीय अस्मिता का चलता-फिरता चित्र बन गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे आदिवासी समाज के पुरुष एवं महिलाएं, हाथों में अपने पारंपरिक वाद्ययंत्र लिए, जब पूरे जोश और गर्व के साथ आगे बढ़ रहे थे, तब वातावरण उनकी सांस्कृतिक धड़कनों से गूंज उठा।
महोत्सव की औपचारिक शुरूआत से पहले हिजला मेला परिसर स्थित मांझी थान में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि अपनी जड़ों, परंपराओं और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भावपूर्ण प्रदर्शन भी था। स्थानीय ग्राम प्रधान द्वारा फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया गया, वहीं अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने मंच के समीप ध्वजारोहण कर कार्यक्रम को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया।पारंपरिक रीति रिवाज एवं पगड़ी पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया गया।
उद्घाटन सत्र में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। लोकनृत्य, गीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इन प्रस्तुतियों में नई पीढ़ी की ऊर्जा और पुरातन परंपराओं की सुगंध का सुंदर संगम देखने को मिला।
हिजला मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज का जीवंत सांस्कृतिक केंद्र है। यह वह मंच है जहाँ परंपराएँ सांस लेती हैं, लोककला खिलती है और सामूहिक पहचान सशक्त होती है। बदलते समय के साथ राज्य सरकार द्वारा मेले को और अधिक भव्य स्वरूप देने के निरंतर प्रयास किए गए हैं। विकसित आधारभूत संरचनाएँ, बेहतर सुविधाएँ और सुव्यवस्थित परिसर मेले के आकर्षण को कई गुना बढ़ा रहे हैं।
महोत्सव की पूरी अवधि में आयोजित कृषि प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों के स्टॉल लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। ये प्रदर्शनियाँ न केवल झारखंड की पारंपरिक कृषि पद्धतियों और जनजातीय जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करती हैं, बल्कि आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को जागरूक और सशक्त भी बनाती हैं।
हिजला मेला महोत्सव-2026 सचमुच परंपरा, प्रकृति और प्रगति का संगम बनकर उभरा है–जहाँ हर धड़कन में संस्कृति है, हर कदम में उत्सव, और हर चेहरे पर अपनी विरासत पर गर्व की चमक।
इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि यह 136वां हिजला मेला केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की जीवंत सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि यह मेला हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को सशक्त रूप से प्रदर्शित करता है।
उन्होंने कहा कि हिजला मेला प्राचीनता और आधुनिकता का अद्भुत संगम है। यहाँ एक ओर जहां सदियों पुरानी परंपराएँ, लोककला और रीति-रिवाज जीवंत रूप में दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक सुविधाएँ और व्यवस्थाएँ भी इस आयोजन को नई पहचान दे रही हैं। यही संतुलन इस मेले को विशिष्ट बनाता है।
उपायुक्त ने यह भी उल्लेख किया कि सात दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव के सफल आयोजन के पीछे सभी वर्गों का सामूहिक सहयोग है। प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जनजातीय समाज और आम नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन संभव हो सका है।उन्होंने आश्वस्त किया कि मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ की गई हैं।सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ की समृद्ध संस्कृति और सभ्यता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। हिजला मेला जनजातीय अस्मिता, कला और जीवनशैली का ऐसा मंच है, जिसकी गूंज सीमाओं से परे जानी चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें, ताकि यहाँ की पहचान विश्व पटल पर स्थापित हो सके।
इस अवसर पर जिला परिषद् अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि आज हम सबके लिए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का दिन है। यह मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी पहचान, हमारी परंपराओं और हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति का जीवंत उत्सव है। 20 फरवरी तक चलने वाले इस मेले में संथाल परगना की लोककला, लोकनृत्य, लोकगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक वेशभूषा की अद्भुत झलक देखने को मिलेगी। यह मंच हमारे कलाकारों, कारीगरों और ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।
जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि हिजला मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है। हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ना है।
कहा कि विशेष रूप से युवाओं से अपील करती हूं कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को कमजोर करता है। इसके बजाय शिक्षा को अपना साथी बनाएं। शिक्षा ही वह शक्ति है जो हमें आत्मनिर्भर, जागरूक और सक्षम बनाती है। यदि हमारे युवा शिक्षित और जागरूक होंगे, तो हमारा समाज स्वतः सशक्त और विकसित बनेगा।
हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपने क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। अपने बच्चों को शिक्षा देंगे, समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देंगे और अपनी संस्कृति की रक्षा करते हुए आगे बढ़ेंगे।आप सभी की सहभागिता और सहयोग से यह मेला सफल होगा।
इस दौरान उपस्थित अतिथियों एवं स्थानीय ग्राम ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया।अनुमंडल पदाधिकारी कौशल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।